

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए 17 एवं 24 अक्टूबर को सभी पेज: 3

मां बनने के बाद अब ये ध्यान में रखकर चुनती हैं फिल्में पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 191 | गुरुवार 15 अक्टूबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

10 साल में खाद्यान्न उत्पादन 49% बढ़ा, चावल निर्यात और पैदावार में भारत दुनिया में नंबर 1

नई दिल्ली: केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को कहा कि भारत दुनिया का फूड बास्केट (अन्न का भंडार) बनेगा और साथ ही किसानों की आजीविका में भी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि देश आयातित अनाज पर निर्भरता से निकलकर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ गया है और 2014 से 2024 के बीच कृषि उत्पादन में 49 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दिल्ली के पूसा में एग्रीविजन के 10वें राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि कृषि की डिग्री लेने वाले छात्र शिक्षा प्रणाली की कमियों के कारण परेशान न हों। उन्होंने कहा कि कृषि शिक्षा और किसानों के कल्याण से जुड़े मुद्दों को हल करने के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक उपायों वाला एक रोडमैप तैयार किया जाएगा। मंत्री ने कहा, "हम कृषि छात्रों की डिग्री को बेकार नहीं जाने देंगे।

कैबिनेट ने राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम को अगले 5 साल के लिए जारी रखने को दी मंजूरी



नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एनएसएपी) को वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक अगले पांच वर्षों के लिए जारी रखने को मंजूरी दे दी है। इस योजना के लिए कुल 53,428 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। कैबिनेट के फैसले के तहत योजना और इसकी विभिन्न उप-योजनाओं के नाम बदले जाएंगे, दिव्यांगजन पेंशन योजना में पात्रता मानदंड और सहायता राशि में संशोधन किया जाएगा, जबकि वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन और पारिवारिक लाभ योजनाएं मौजूदा स्वरूप में जारी रहेंगी। सरकार के अनुसार, इस फैसले से देश के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के करीब 3.20 करोड़ लाभार्थियों को लाभ मिलेगा। ग्रामीण विकास विभाग अगले तीन महीनों के भीतर संशोधित दिशा-निर्देश जारी करेगा और उन्हें लागू किया जाएगा। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम का नाम बदलकर प्रधानमंत्री सामाजिक सहायता योजना किया जाएगा कैबिनेट की मंजूरी के बाद राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम का नाम बदलकर प्रधानमंत्री सामाजिक सहायता योजना किया जाएगा, जिसके तहत मौजूदा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना का नाम प्रधानमंत्री वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना का नाम प्रधानमंत्री विधवा पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना का नाम प्रधानमंत्री दिव्यांगजन पेंशन योजना और राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना का नाम प्रधानमंत्री परिवार लाभ योजना रखा जाएगा। कैबिनेट ने दिव्यांगजन पेंशन योजना में महत्वपूर्ण बदलावों को मंजूरी दी बयान के अनुसार, कैबिनेट ने दिव्यांगजन पेंशन योजना में महत्वपूर्ण बदलावों को मंजूरी दी है। अब 0 से 79 वर्ष तक के दिव्यांग लाभार्थियों को 375 रुपए प्रति माह और 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के लाभार्थियों को 625 रुपए प्रति माह की सहायता दी जाएगी। इसके साथ ही पात्रता मानदंडों में भी राहत दी गई है। अभी तक योजना का लाभ पाने के लिए 80 प्रतिशत दिव्यांगता जरूरी थी, जिसे घटाकर 40 प्रतिशत बेंचमार्क दिव्यांगता कर दिया गया है। इसके अलावा, दिव्यांग पेंशन के लिए न्यूनतम आयु की शर्त भी समाप्त कर दी गई है और अब जन्म से दिव्यांग व्यक्ति भी इस योजना के दायरे में आ सकेंगे। सरकार ने स्पष्ट किया है कि वृद्धावस्था पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना और परिवार लाभ योजना वर्तमान स्वरूप में ही जारी रहेंगी। इन योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को पहले की तरह सहायता मिलती रहेगी। केंद्र सरकार इस योजना के तहत 100 प्रतिशत केंद्रीय सहायता देती है

कैबिनेट ने बयान में आगे बताया है कि राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम की शुरूआत 15 अगस्त 1995 को की गई थी, जिसका उद्देश्य संविधान के अनुच्छेद 41 में निहित राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत गरीब और जरूरतमंद परिवारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना था। केंद्र सरकार इस योजना के तहत 100 प्रतिशत केंद्रीय सहायता देती है ताकि देशभर में पात्र लाभार्थियों को समान रूप से सहायता उपलब्ध हो सके।

राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम की शुरूआत...

कैबिनेट ने बयान में आगे बताया है कि राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम की शुरूआत 15 अगस्त 1995 को की गई थी, जिसका उद्देश्य संविधान के अनुच्छेद 41 में निहित राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत गरीब और जरूरतमंद परिवारों.....

सीएम योगी ने सपा के पीडीए को बताया परिवार विकास प्राधिकरण, साधा तीखा निशाना



लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला किया। उन्होंने पार्टी के 'पीडीए' नारे का मजाक उड़ाते हुए इसे परिवार विकास प्राधिकरण कहा और आरोप लगाया कि पार्टी राज्यसभा उम्मीदवारों के चयन में परिवारवाद को बढ़ावा देती है। वाराणसी में शिक्षकों और ग्रेजुएट के लिए होने वाले आगामी विधान परिषद चुनावों के प्रचार कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, सीएम योगी ने सवाल किया कि पिछड़े वर्गों, दलितों और अल्पसंख्यकों के हितों की वकालत करने का दावा करने के बावजूद सपा अन्य समुदायों को उचित प्रतिनिधित्व देने में क्यों नाकाम रही। मुख्यमंत्री संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित एक सभा को संबोधित कर रहे थे। यह सभा बीजेपी उम्मीदवारों - शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे डॉ. प्रबोध मिश्रा और वाराणसी ग्रेजुएट निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे केदार नाथ सिंह - के समर्थन में आयोजित की गई थी। उन्होंने शिक्षकों और ग्रेजुएट से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों का समर्थन करने की अपील की और इन दोनों वर्गों को समाज का पूरक स्तंभ बताते हुए कहा कि वे सतर्क अभिभावकों की भूमिका निभाते हैं। राज्यसभा चुनावों का ज़िक्र करते हुए, मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बीजेपी ने 10 में से आठ सीटें जीतीं, जबकि सपा को दो सीटें मिलीं। उन्होंने पार्टी के 'पीडीए' नारे के प्रति उसकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए। मुख्यमंत्री ने खास तौर पर राम गोपाल यादव के नामांकन का ज़िक्र करते हुए आरोप लगाया कि सपा ने काशी, बलिया या पूर्वी उत्तर प्रदेश के किसी अन्य हिस्से से किसी दूसरे यादव नेता को मौका नहीं दिया। उन्होंने पार्टी के दूसरे उम्मीदवार के चयन की भी आलोचना की और टिकट बंटवारे में सपा पर पक्षपात का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जो पार्टी हाशिए पर मौजूद समुदायों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करती है, उसे अपने परिवार और पसंदीदा उम्मीदवारों को प्राथमिकता देने के बजाय ज्यादा से ज्यादा नेताओं को मौका देना चाहिए। पिछली रढ सरकार पर निशाना साधते हुए सीएम योगी ने आरोप लगाया कि उसने शिक्षा को नजरअंदाज किया, चुनिंदा संस्थानों को फायदा पहुँचाया और नौकरी चाहने

सीजेपी को विदेशी फंडिंग के आरोपों पर एमईए ने दिया जवाब, सऊदी अरब पर हमले की निंदा की, कनाडा पर भी दिया बड़ा बयान



नई दिल्ली: भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में विभिन्न मुद्दों पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए सऊदी अरब में अरामको मुख्यालय पर हमले की कड़ी निंदा की और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर अहम जानकारी दी। इसी दौरान प्रभासाक्षी की ओर से अमेरिकी गायिका मैरी मिलिबेन के उस सोशल मीडिया पोस्ट पर भी सवाल पूछा गया, जिसमें उन्होंने भारत के युवाओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में आवाज उठाने की अपील की थी। हम आपको बता दें कि मिलिबेन ने अपने पोस्ट में आरोप लगाया था कि अमेरिका में कुछ दानदाता प्रधानमंत्री मोदी के विरोध में काम करने वाले लोगों को आर्थिक मदद दे रहे हैं और भारत में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं से ऐसे कथित प्रयासों के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से संगठित होने का आह्वान किया। इस पोस्ट पर पूछे गए सवाल के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि ह्लयह टिप्पणी हमने अभी देखी नहीं है।'' प्रभासाक्षी के एक अन्य सवाल के जवाब में प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की ओर से भारत सरकार पर लगाये जा रहे आरोपों को भी बेबुनियाद बताया। रणधीर जायसवाल ने एक अन्य प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि सऊदी अरब में नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए जा रहे हमले पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। अरामको मुख्यालय पर हुए हमले समेत लगातार हो रहे हमलों की कड़ी निंदा करते हुए भारत ने इन्हें तत्काल रोकने की मांग की है। भारत ने सऊदी अरब की संप्रभुता की रक्षा के लिए वहां की सरकार और जनता के साथ एकजुटता जताई तथा क्षेत्र में शांति और सामान्य स्थिति बहाल होने की उम्मीद व्यक्त की। जायसवाल ने बताया कि सऊदी अरब में भारतीय दूतावास वहां रह रहे भारतीय नागरिकों के लगातार संपर्क में है और उनकी सुरक्षा के लिए परामर्श जारी कर रहा है। उल्लेखनीय है कि हवाई अड्डों पर हमलों के कारण उड़ान सेवाएं प्रभावित हुई हैं, जिसका असर विशेष रूप से रियाद, दम्माम, मदीना और जेद्दा आने-जाने वाली भारतीय विमानन कंपनियों की उड़ानों पर पड़ा है। दूतावास यात्रियों और फंसे हुए लोगों को लगातार अपडेटेड जानकारी उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने 10 अक्टूबर को हुए हमले में घायल भारतीयों का ब्योरा देते हुए कहा कि 12 लोग घायल हुए थे

ओलावृष्टि से नुकसान पर मिलेगी अतिरिक्त राहत, उत्तराखंड में 3 माह के बिजली बिल स्थगित



उत्तराखंड: उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए अहम फैसले लिए हैं और संबंधित अधिकारियों को जरूरी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इन उपायों के तहत, किसानों को खेती, बागवानी और गन्ने की फसलों के नुकसान के लिए तय आपदा राहत नियमों के तहत मिलने वाली राशि के बराबर अतिरिक्त आर्थिक मदद मिलेगी। सरकार प्रभावित किसानों के बिजली बिल के भुगतान को टालने और उनके किसान क्रेडिट कार्ड लोन के भुगतान में राहत देने के लिए भी कदम उठाएगी। मुख्यमंत्री के निदेशों के अनुसार, ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को तय आपदा राहत नियमों के तहत मिलने वाली राशि के बराबर अतिरिक्त मदद मिलेगी। इस कदम का मकसद फसल के नुकसान की वजह से किसानों को हो रही आर्थिक दिक्कतों को कम करना और उन्हें अपनी आने वाली खेती और बागवानी गतिविधियों को जारी रखने में मदद करना है। तुरंत आर्थिक राहत देने के लिए, राज्य सरकार ने अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर के बिजली बिलों के भुगतान को टालने का फैसला किया है। उम्मीद है कि इस फैसले से प्रभावित किसानों पर तुरंत पड़ने वाला आर्थिक बोझ कम होगा और फसल के नुकसान से उबरने में उन्हें कुछ राहत मिलेगी। राज्य सरकार किसानों को लोन चुकाने में भी राहत देने के लिए काम कर रही है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय को एक पत्र भेजा जाएगा, जिसमें किसान क्रेडिट कार्ड लोन के भुगतान को तीन महीने के लिए टालने का अनुरोध किया जाएगा। इस पहल का मकसद प्रभावित किसानों को लोन चुकाने के लिए अतिरिक्त समय देना है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा करने और प्राकृतिक आपदाओं से पैदा हुई चुनौतियों से निपटने में उनकी मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसानों की आजीविका की सुरक्षा और खेती-बाड़ी की गतिविधियों को जारी रखने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। उम्मीद है कि इन फैसलों से ओलावृष्टि से फसल के नुकसान का सामना कर रहे किसानों को अतिरिक्त आर्थिक मदद मिलेगी

जंतर-मंतर विवाद के बाद सीजेपी का शक्ति प्रदर्शन, कनॉट प्लेस में 16 अक्टूबर को तिरंगा यात्रा

नई दिल्ली: कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दिपके ने दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में 16 अक्टूबर को राष्ट्रीय ध्वज के साथ इकट्ठा होने का आह्वान किया है। यह कदम पार्टी नेताओं सौरव दास और आशुतोष रंका को हिरासत में लिए जाने के बाद उठाया गया है, जिन्हें जंतर-मंतर पर तिरंगा फहराने के बाद पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो संदेश में, दिपके ने उन लोगों से अपील की जो राष्ट्रीय ध्वज पर गर्व करते हैं कि वे 16 अक्टूबर को शाम 5 बजे इकट्ठा हों। उन्होंने उन लोगों से भी आग्रह किया जो दिल्ली नहीं आ सकते, कि वे अपने-अपने शहरों में इसी तरह के आयोजन करें। दिपके ने पूछा कि तिरंगा लहराना कब से अपराध हो गया है? उन्होंने जोर देकर कहा कि राष्ट्रीय ध्वज फहराने को अपराध नहीं माना जाना चाहिए। प्रस्तावित सभा में शामिल होने के लिए लोगों से अपील करते हुए, डिपके ने समर्थकों से कहा कि वे सेंट्रल पार्क में राष्ट्रीय ध्वज लेकर आएं और हिरासत में लिए गए पार्टी नेताओं के प्रति एकजुटता व्यक्त करें। उन्होंने दिल्ली के बाहर रहने वाले लोगों से भी अपील की कि वे 16 अक्टूबर को शाम 5 बजे अपने शहरों में इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करें। अपने संदेश में, उन्होंने तिरंगे को राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बताया और कहा कि लोगों को बिना किसी कानूनी कार्रवाई के डर के इसे फहराने की आजादी होनी चाहिए। दिपके ने यह भी कहा कि प्रस्तावित कार्यक्रम के बाद उनके खुद के गिरफ्तार होने की संभावना की उन्हें कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि इसके बाद मुझे जेल भी भेजा

वैशाली के राघोपुर में नाव हादसे पर चिराग पासवान सख्त, दोषियों पर होगी कार्रवाई



हाजीपुर: केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार के वैशाली ज़िले में नाव पलटने की घटना में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख़्त कार्रवाई की चेतावनी दी। इस हादसे में 15 साल या उससे कम उम्र के कम से कम 13 बच्चों की मौत हो गई। यह दुखद घटना राघोपुर दियारा इलाके में हुई और बुधवार को मारे गए बच्चों के शवों को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया जा रहा था। पासवान ने कहा कि केंद्र और बिहार सरकारें यह सुनिश्चित करेंगी कि प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द हर संभव मदद मिले। नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल का दौरा करते हुए, उन्होंने बचाए गए बच्चों से मुलाकात की और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने इस मुश्किल समय में सही इलाज और मदद के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम इस पक्के इरादे के साथ यहाँ आए हैं कि भर्ती बच्चों के इलाज में कोई कमी न रहे। हमने बुरे से बुरे सपने में भी कभी नहीं सोचा था कि ऐसी दिल दहला देने वाली घटना होगी, जिसमें इतने सारे मासूम बच्चों की जान चली जाएगी। हाजीपुर के सांसद ने कहा कि सोमवार देर रात घटना की खबर मिलने के बाद से ही वे स्थानीय प्रशासन और प्रभावित परिवारों के संपर्क में हैं। उन्होंने इस बात की जांच की जरूरत पर भी जोर दिया कि क्या इसमें कोई लापरवाही हुई है, क्योंकि ऐसी शिकायतें मिली हैं कि नाव की मांग की गई थी लेकिन वह उपलब्ध नहीं कराई गई। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा हुआ है, तो ज़िम्मेदार अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। पासवान ने इस बात पर जोर दिया कि यह समझना जरूरी है कि इतने सारे बच्चे बिना किसी प्रशासनिक निगरानी के देर रात नदी क्यों पार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सच्चाई सामने आने के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने माना कि बचाव कार्यों में ज्यादा से ज्यादा बच्चों को बचाने पर ध्यान दिया गया, लेकिन अफसोस जताया कि जिन लोगों की जान चली गई, उन्हें वापस नहीं लाया जा सकता। उन्होंने कहा कि हम इस मुश्किल समय में उनके परिवारों को हिम्मत और हौसला देने के लिए

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कनाडाई समकक्ष अनीता आनंद से की मुलाकात, दोनों देश रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहे

नई दिल्ली: विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को नई दिल्ली में अपनी कनाडाई समकक्ष अनीता आनंद के साथ बैठक की। दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश, शिक्षा, ऊर्जा, रक्षा और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान जैसे विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की। बैठक के बाद, विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत और कनाडा दोनों देशों का नेतृत्व और पारस्परिक संवाद रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पोस्ट में कहा, आज नई दिल्ली में कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से मिलकर खुशी हुई। हमने व्यापार और निवेश, शिक्षा, ऊर्जा, रक्षा और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में अपने संबंधों की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही, प्रमुख क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया। उन्होंने आगे कहा, अपने नेतृत्व और सरकार तथा उद्योग जगत के साथ लगातार बातचीत के जरिए हम अपनी रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं। इससे पहले अनीता आनंद ने 2025 में अपनी भारत यात्रा के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर के साथ हुई उस बैठक को याद किया, जिसमें वे कनाडा-भारत संबंधों के लिए एक संयुक्त रोडमैप बनाने पर सहमत हुए थे। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय सहयोग में हो रही प्रगति को देखकर वो बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि कनाडा और भारत के बीच जुड़ाव भविष्य की समृद्धि को आकार देने और एक स्वतंत्र, खुले और समृद्ध इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में योगदान करने का अवसर प्रदान करता है, खासकर ऐसे समय में जब अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में बड़े बदलाव हो रहे हैं। आनंद ने एक्स पोस्ट में कहा, ठीक एक साल पहले नई दिल्ली में, मैंने कनाडा-भारत संबंधों के लिए एक संयुक्त रोडमैप तैयार करने के लिए अपने भारतीय समकक्ष एस. जयशंकर से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा, आज लौटकर यह देखकर उत्साहित हूं कि हमने कितनी प्रगति की है। व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने से लेकर ऊर्जा, नवाचार और सुरक्षा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने तक, दोनों देश कई मोर्चों पर आगे बढ़े हैं। कनाडाई विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और कनाडा के संबंधों का वास्तविक महत्व इस बात में है कि दोनों देश मिलकर क्या हासिल कर सकते हैं। ऐसे समय में, जब अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में व्यापक बदलाव हो रहे हैं, भारत और कनाडा के बीच मजबूत होते संपर्क भविष्य की समृद्धि को आकार देने और स्वतंत्र, खुले तथा समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र में योगदान देने का अवसर प्रदान करते हैं।



कनाडाई विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और कनाडा के संबंधों का वास्तविक महत्व इस बात में है कि दोनों देश मिलकर क्या हासिल कर सकते हैं।

इससे पहले दिन में, अनीता आनंद ने तेजी से बदलती दुनिया में कूटनीति के प्रति कनाडा के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। बुधवार को नई दिल्ली में ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में आनंद ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के विकास में मिडिल पावर्स (मध्यम दर्जे की ताकतों) की अहम भूमिका पर जोर दिया।

संपादकीय

नशा विरोधी की हत्या

पंजाब के मानसा में नशीले पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ मुहिम चलाने वाले एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह की हत्या बताती है कि इस जहरीले कारोबार के खिलाफ लड़ाई कितनी मुश्किल है। यह भी कि नशे के खिलाफ मुखर होने वाले जिम्मेदार नागरिकों की सुरक्षा को लेकर शासन-प्रशासन को गंभीर होना होगा। नशे की लत लगाने वाली टैबलेट बेचने वाले कैमिस्ट के साथ बहस के बाद सरेआम यह हत्या की गई। जिससे नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों के दुस्साहस का पता चलता है। घटना बताती है कि इस बुराई के खिलाफ काम करने वाले लोगों को सुरक्षा देने में हमारा तंत्र नाकाम हुआ है। पंजाब के ग्रामीण इलाकों में नशे के खिलाफ काम करने वाले गांव के वॉलंटियर्स की हत्याएं पहले भी होती रही हैं। जिससे पता चलता है कि यह खतरा नया नहीं है। इस घटना से जुड़ी परेशान करने वाली बात यह भी है कि हमलावर व मृतक के बीच रंजिश का पुराना इतिहास रहा है। बताते हैं कि वर्ष 2023 में भी एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह ने कैमिस्ट अश्वनी कुमार के खिलाफ प्रतिबंधित कैप्सूल बेचने के आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज करवायी थी। तब पुलिस ने दुकान के मालिक के खिलाफ मामला तो दर्ज किया था, लेकिन परविंदर सिंह पर भी कानून अपने हाथ में लेने का आरोप लगाया था। दरअसल, आरोप था कि उसने कैमिस्ट को गले में जूते पहनाकर बाजार में घुमाया था। अब तीन साल बाद, उसी दुकान पर हुई एक और झड़प में एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह की मौत हो गई। गोलीबारी की इस घटना में परमिंदर के चार साथी भी घायल हुए हैं। कुछ लोगों का मानना था कि एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह को खुद सीधी कार्रवाई करने के बजाय पुलिस को जानकारी देनी चाहिए थी। अन्यथा पुलिस की मौजूदगी में कोई कदम उठाना चाहिए था। यहां सवाल यह भी है कि क्या पुलिस अपने दायित्वों का जिम्मेदारी से निर्वहन कर रही थी? आखिर एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह को खुद इसके खिलाफ क्यों खड़ा होना पड़ा? उल्लेखनीय है कि इससे पहले वर्ष 2023 में, फरीदकोट में हरभगवान सिंह और बठिंडा में जसवीर सिंह, जैसे नशे के खिलाफ काम करने वाले वॉलंटियर्स की भी हत्या कर दी गई थी। तब भी आरोप लगे थे कि ये हत्याएं नशे के कारोबार का विरोध करने के कारण हुई थीं। निस्संदेह, इस बुराई के खिलाफ लड़ने वाले नशा विरोधी कार्यकर्ताओं की हत्याओं के मामले में बारीकी से जांच करने की जरूरत है। मानसा की घटना की तह तक जाकर पता लगाया जाना चाहिए कि आखिर गोलीबारी की घटना क्यों हुई?

चिंतन-मनन

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ।

जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मो को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो।

जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वतः समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर।

संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कमर में दर्द शुरू हो गया। फिर यह ठीक हो गया। और तो और, शरीर ठीक ठाक है तो मन अशान्त हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियां पैदा होती हैं, उलझन पैदा होती है। यह तुम्हारे ऊपर नहीं कि तुम उनका समाधान करो। तुम तो बस उन पर ध्यान न दो, बस जीवन्त रहो।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

पटाखों पर प्रतिबंध नहीं, प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण जरूरी



सौरभ वार्ष्णेय

त्योहार भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं। दीपावली जैसे पर्व केवल धार्मिक आस्था के प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव, पारिवारिक एकता और खुशियों के उत्सव भी हैं। दीपों की रोशनी, घरों की सजावट, मिठाइयों का आदान प्रदान और पूजा अर्चना हमारी सांस्कृतिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा हैं। लेकिन जब त्योहारों की खुशियां वायु प्रदूषण, सांस संबंधी बीमारियों और बच्चों बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर संकट बनकर सामने आने लगें, तब यह विचार करना जरूरी हो जाता है कि उत्सव मनाने का तरीका कैसा हो। दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर रोक लगाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई ने एक बार फिर इसी महत्वपूर्ण सवाल को देश के सामने रखा है।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पटाखों पर प्रतिबंध की मांग पर सुनवाई करते हुए कहा कि लोगों के स्वास्थ्य और धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने लोगों से कम प्रदूषण वाले तरीकों से त्योहार मनाने की अपील की। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे। सुनवाई के दौरान अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि पटाखों से होने वाले नुकसान के प्रति लोगों को जागरूक करना जरूरी है। मामले की अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को निर्धारित की गई है। इस सुनवाई में वरिष्ठ अधिवक्ता और न्याय मित्र अपराजिता सिंह की टिप्पणी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। उन्होंने कहा कि यदि भगवानों को पता चले कि उनके नाम पर बच्चे पीड़ित हो रहे हैं और बीमार पड़ रहे हैं, तो वे भी हैरान रह जाएंगे। इस कथन का मूल संदेश स्पष्ट है कि धार्मिक आस्था का उद्देश्य मानव कल्याण होना चाहिए, न कि ऐसा कोई व्यवहार जो दूसरों के स्वास्थ्य और जीवन के लिए परेशानी पैदा करे। धर्म और परंपरा के नाम पर किए जाने वाले किसी भी कार्य पर विचार करते समय उसके सामाजिक प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण लंबे समय से गंभीर चिंता का विषय रहा है। वाहनों से निकलने वाला धुआं, निर्माण कार्यों से उडे वाली धूल, औद्योगिक उत्सर्जन और मौसम संबंधी परिस्थितियां प्रदूषण को प्रभावित करती हैं। दीपावली के दौरान पटाखों से निकलने वाला धुआं और सूक्ष्म कण इस समस्या को और बढ़ा सकते हैं। इसका प्रभाव विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों, दमा और अन्य सांस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों पर पड़ सकता है।

प्रदूषण का संकट किसी एक परिवार या वर्ग तक सीमित नहीं रहता। पटाखे जलाने वाला व्यक्ति कुछ मिनटों के उत्साह के बाद सामान्य जीवन में लौट सकता है, लेकिन उससे निकलने वाले धुएं का असर आसपास रहने वाले लोगों को भी झेलना पड़ सकता है। ऐसे में व्यक्तिगत खुशी और सार्वजनिक स्वास्थ्य के बीच संतुलन स्थापित करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बन जाता है।

यह भी समझना होगा कि प्रदूषण के लिए केवल पटाखों को जिम्मेदार ठहराकर बाकी स्रोतों की अनदेखी करना समाधान नहीं है। यदि सरकार वास्तव में दिल्ली-एनसीआर की हवा को स्वच्छ बनाना चाहती है, तो उसे सालभर प्रदूषण फैलाने वाले सभी प्रमुख स्रोतों पर प्रभावी कार्रवाई करनी होगी। पटाखों पर नियमों के साथ-साथ वाहनों, निर्माण स्थलों, औद्योगिक इकाइयों और खुले में कचरा जलाने जैसी गतिविधियों पर भी नियंत्रण आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह भी संकेत दिया कि किसी आदेश को लागू करने से पहले उसकी व्यावहारिकता पर विचार करना जरूरी है। केवल प्रतिबंध लगा देना पर्याप्त नहीं है। यह देखना भी आवश्यक है कि नियमों का पालन कैसे कराया जाएगा, उल्लंघन करने वालों पर किस प्रकार कार्रवाई होगी और आम लोगों को इसके प्रति जागरूक करने की क्या व्यवस्था होगी। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची द्वारा पटाखे फोडे के धार्मिक आधार पर सवाल उठाना भी विचारणीय है। भारतीय परंपराओं में दीपावली का प्रमुख संदेश अंधकार पर प्रकाश और अज्ञान पर ज्ञान की विजय है। दीप जलाना, पूजा करना, जरूरतमंदों की सहायता करना और परिवार तथा समाज के साथ खुशियां बांटना इस पर्व की व्यापक सांस्कृतिक भावना को व्यक्त करते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि परंपराओं को समय, परिस्थिति और सामाजिक उत्तरदायित्व के अनुरूप समझा जाए।

मुख्य न्यायाधीश ने लोगों को जागरूक करने और अपनी मूल संस्कृति की ओर लौटने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने उस परंपरा का उल्लेख किया जिसमें दीप जलाने और फुलझडियां जलाने जैसे सीमित साधनों से उत्सव मनाया जाता था। इसका आशय उत्सव की खुशियों को समाप्त करना नहीं, बल्कि उन्हें ऐसा स्वरूप देना है जिससे दूसरों के जीवन और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

पिछले वर्ष दीपावली से पहले दिल्ली की वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई का स्तर 200 के पार पहुंचने की खबरों के बीच सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में निर्धारित शर्तों के तहत ग्रीन पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल की अनुमति दी थी। इसका उद्देश्य धार्मिक परंपराओं और पर्यावरण तथा स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बीच संतुलन बनाने का प्रयास था। हालांकि, ग्रीन पटाखों को प्रदूषण से पूरी तरह मुक्त मान लेना भी उचित नहीं होगा। उनका वास्तविक प्रभाव उत्पाद की गुणवत्ता, निर्धारित मानकों और इस्तेमाल की परिस्थितियों पर निर्भर करता है। इसलिए केवल किसी उत्पाद को ग्रीन पटाखा कह देना पर्याप्त नहीं है। उसकी प्रामाणिकता की जांच, बिक्री पर निगरानी और निर्धारित समय तथा स्थान संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। इसके लिए प्रशासन को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए। पुलिस, प्रदूषण नियंत्रण एजेंसियों और स्थानीय निकायों के बीच समन्वय होना चाहिए। बाजारों में प्रतिबंधित पटाखों की बिक्री रोकने के साथ-साथ लोगों को नियमों की जानकारी भी दी जानी चाहिए। स्कूलों, आवासीय समितियों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाए जा सकते हैं।

लोकतंत्र का गला घोटने का शातिराना प्रयास



निर्मल रानी

चुनावी धांधली और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर पिछले 13 दिनों से राजधानी दिल्ली लगातार प्रदर्शनों से जूझ रही है। 10 अक्टूबर को जहां कॉकरोच जनता पार्टी ने विपक्षी दलों के समर्थन से जंतर मंतर सहित दिल्ली के कई प्रमुख स्थलों पर बड़े प्रदर्शन किये वहीँ 12 अक्टूबर का दिन विपक्षी इण्डिया गठबंधन द्वारा बुलाये गए विशाल रैली व प्रदर्शन के नाम रहा। 12 अक्टूबर के इस अभूतपूर्व प्रदर्शन को विपक्षी दलों की सबसे बड़ी रैली व प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। इस रैली व प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे,राहुल गाँधी,प्रियंका गाँधी,विपक्ष-शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के अतिरिक्त समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव , एन सी पी नेता सुप्रिया सुले, शिवसेना के संजय राउत, सी पी आई एम एल के दीपांकर भट्टाचार्य,आर जे डी के तेजस्वी यादव, तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी आदि अनेक बड़े नेता शामिल हुये। इस प्रदर्शन के दौरान भी जब दिल्ली पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर नेताओं को रोकने की कोशिश की, तो अखिलेश यादव, महुआ मोइत्रा, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत कई नेता बैरिकेड्स पर चढ़ गए, जिसके बाद पुलिस ने कई प्रमुख नेताओं को हिरासत में भी लिया। बाद में राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी दल इस मामले को लेकर याचिका दायर करने सुप्रीम कोर्ट पहुंचे।

इस प्रदर्शन को रोकने या इसे विफल करने के लिये सरकार की ओर से हर संभव प्रयास किये गए। बल प्रयोग से लेकर,सड़कों पर नुकीली कीलें बिछाने, प्रदर्शनकारियों से लेकर अनेक आम राहगीरों तक को गिरफ़्तार करने की अनेक घटनाएं देखने को मिलीं। कनाट प्लेस से लेकर संसद भवन तक का इलाका पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। देश के इतिहास का यह पहला प्रदर्शन था जिसे कवर करने से रोकने की गरज से अनेक प्रमुख मीडिया घरानों के पत्रकारों से लेकर कई स्वतंत्र व सोशल मीडिया जर्नलिस्ट्स व यू ट्यूबर्स को भी हिरासत में लिया गया। कई के साथ मारपीट भी की गयी। बी बी सी सहित अनेक पत्रकारों के साथ पुलिस बदसलूकी से पेश आती दिखाई दी। जिन मीडिया संस्थानों के पत्रकारों को दिल्ली में प्रदर्शन कवर करने के दौरान पुलिस ने हिरासत में लिया था उनमें बिजनेस स्टैंडर्ड,नवभारत टाइम्स,रॉयटर्स के अलावा स्क्रॉल, न्यूज लॉन्ड्री,बूम,एमओ,मॉलिटिक्स इंडिया,उल्टा चश्मा आदि के कई पत्रकार शामिल हैं। जाने माने पत्रकार परंजॉय गुहा ठाकुरता को भी दिल्ली में जबरन हिरासत में लिया गया जबकि ऑल्ट न्यूज के पत्रकार को अहमदाबाद में व स्क्रॉल के एक अन्य पत्रकार को पुणे में हिरासत में लिया गया। नवरात्रि के पहले ही दिन हो रहे इस आंदोलन में कई महिला पत्रकारों को पीटा,घसीटा गया और हिरासत में लिया गया। यहाँ तक कि कई महिला पत्रकारों ने तो पुलिस पर यौन हमले का भी आरोप लगाया। सवाल यह है कि क्या जनहित के कार्यक्रमों को कवर करना कोई अपराध है जिसकी वजह से पुलिस को यह सब करना पड़ा ? जबकि इस प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए पत्रकार पेशेवर तरीके से अपना काम अंजाम दे रहे थे? भारत का संविधान पत्रकारों के रिपोर्टिंग करने, सत्ता में बैठे लोगों से सवाल पूछने और जनहित के मुद्दों को नागरिकों के सामने लाने के अधिकार की रक्षा करता है। अनुच्छेद 19(1)(ए) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है और प्रेस की स्वतंत्रता को भी इसी अनुच्छेद का हिस्सा माना गया है। ऐसे में कानून व्यवस्था के नाम पर इस तरह का तानाशाही रवैय्या गैर संवैधानिक नहीं तो और क्या है ? क्या इसी भारत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल मदर ऑफ डेमोक्रेसी, बताया था बल्कि अपनी बातों के समर्थन में मीडिया से जुड़े कुछ आंकड़े भी बताए थे?

पिछले दिनों प्रदर्शन के दौरान जंतर मंतर,कनॉट प्लेस व संसद मार्ग आदि कई जगहों पर जिसतरह से पत्रकारों के साथ पेश आया गया उसने तो उस आपातकाल के जुल्म को भी पीछे छोड़ दिया जिसे लेकर वर्तमान सरकार कांग्रेस को आज भी घेरती रहती है। लोकतान्त्रिक सरकार होने का दावा करने वालों को यह बताना होगा कि जब भारत का संविधान पत्रकारों के रिपोर्टिंग करने, सत्ता में बैठे लोगों से सवाल पूछने और जनहित के मुद्दों को नागरिकों के सामने लाने के अधिकार की रक्षा करता है ऐसे में उन्हें अपने दायित्व निभाने से रोकने के क्या मायने हैं ? साफ जाहिर है कि सरकार देश में फैले सत्ता विरोधी जनाक्रोश को देश व दुनिया से छुपाना चाहती है। वह नहीं चाहती कि दुनिया को यह पता चले कि चुनावी धांधलियों के खिलाफ देश के लोग खासकर युवा किस तरह सरकार का विरोध करते हुये सड़कों पर उतर आये हैं। और वह यह भी नहीं चाहती कि इस आंदोलन को कुचलने के लिये सरकार के इशारे पर की जा रही बर्बर पुलिस कार्रवाई को दुनिया देख सके। यही वजह है कि जहाँ दर्जनों पत्रकारों को पुलिस ने हिरासत में लिया,अनेक पत्रकारों के साथ बदसलूकी,मारपीट की कई महिला पत्रकारों के साथ अशोभनीय हरकतें कीं वहीं दर्जनों पत्रकारों को प्रदर्शन स्थल तक जाने से भी रोका गया।

एक और नई बात इस प्रदर्शन में यह भी देखने को मिली कि सत्ता प्रायोजित दर्जनों लोग पत्रकार की वेश में हाथों में माइक लिये इधर उधर घूमते नजर आये। यह लोग प्रदर्शन की रिपोर्टिंग करने या प्रदर्शनकारियों से बात करने के बजाये उन पत्रकारों को ही घेर कर सवाल पूछने लगते जोकि घटना की रिपोर्टिंग कर रहे या प्रदर्शनकारियों से सवाल पूछ रहे थे। ये उन पत्रकारों का ही इंटरवियू लेते व उन्हें बहस में उलझा कर सत्ता को सही ठहरने व प्रदर्शनकारियों को ही कटघरे में खड़ा करने की बातें करते। जिसकी वजह से वह पत्रकार असहज महसूस करते और उन्हें रिपोर्ट करने में अड़चन पैदा होती। यह ढर्रा कई बार कई जगहों पर देखा गया। गोया जानबूझकर एक ऐसी प्रवृति अपनाई गयी जिससे या तो पुलिसिया कहर से मीडिया कर्मी भयभीत होकर स्वयं रिपोर्ट करना छोड़ दें या उन्हें पकड़ कर प्रदर्शनस्थल से दूर ले जाया जाये या फिर उन्हें नकली पत्रकारों के झुण्ड में घेरकर उन्हीं से दस सवाल पूछकर उलझाये रखा जाये ताकि वे वास्तविकता को देख न सकें व उसकी रिपोर्ट न कर सकें। इसके अतिरिक्त कनॉट प्लेस के आउटर सर्किल पर ही भारी पुलिस बल द्वारा अनेक पत्रकारों को रोका गया ताकि वे जंतर मंतर या धरने के करीब जा भी न सकें। याद रखना चाहिये कि चुनावी धांधलियों के चर्चे भी पूरी दुनिया में हो चुके हैं और हो रहे हैं साथ ही विश्व पंचायत संयुक्त राष्ट्र भी अपनी चिंताएं जाहिर कर चुका है। जो सरकार पहले ही देश के मीडिया के बड़े हिस्से को किसी न किसी रूप में प्रबंधित कर चुकी है उसके द्वारा चंद ईमानदार पत्रकारों व स्वतंत्र पत्रकारों पर नियंत्रण कर देश के वास्तविक हालात पर पर्दा डालने की कोशिश करना लोकतंत्र का गला घोंटने का एक और शातिराना प्रयास है।

मोदी मंत्रिमंडल के अहम फैसले : रेलकर्मियों को दीपावली की सौगात,

बैंक के विनिवेश से आर्थिक सुधारों रेलकर्मियों के लिए करोड़ रुपये के उत्पादकता- संबद्ध बोनस को मंजूरी,वित्तीय सुधारों का नया अध्याय...



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए फैसले देश की आर्थिक दिशा,प्रशासनिक प्राथमिकताओं और जनकल्याण के प्रति सरकार की सोच को प्रतिबिंबित करते हैं। 14 अक्टूबर 2026 को हुई बैठक में भारतीय रेल के 11.40 लाख से अधिक पात्र कर्मचारियों के लिए 78 दिनों के उत्पादकता-संबद्ध बोनस को मंजूरी देना और आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना विशेष महत्व रखता है। एक ओर दीपावली से पहले रेलकर्मियों और उनके परिवारों को आर्थिक राहत देने का निर्णय है, तो दूसरी ओर बैंकिंग क्षेत्र में बड़े निवेश और प्रबंधन संबंधी बदलाव का रास्ता खुलता दिखाई देता है। इन दोनों फैसलों के केंद्र में अलग-अलग प्राथमिकताएं हैं, लेकिन व्यापक दृष्टि से देखें तो इनका संबंध आर्थिक गतिविधियों,संस्थागत कार्यकुशलता और विकास की निरंतरता से जुड़ता है।

रेलवे कर्मचारियों को 78 दिनों के बोनस की सौगात भारतीय रेल केवल यातायात का साधन नहीं, बल्कि देश की आर्थिक और सामाजिक जीवनरेखा है।प्रतिदिन करोड़ों यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने से लेकर उद्योगों के लिए कच्चे माल और तैयार उत्पादों की ढुलाई तक, रेलवे की भूमिका देश के विकास में महत्वपूर्ण है। इस विशाल व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में लाखों कर्मचारियों का योगदान रहता है।रेलगाड़ियों का सुरक्षित परिचालन, पटरियों का रखरखाव, तकनीकी व्यवस्थाओं का संचालन, स्टेशनों पर यात्रियों की सहायता और मालगाड़ियों की आवाजाही जैसे कार्यों में कर्मचारियों की जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के प्रदर्शन के आधार पर लगभग 11,40,770 पात्र रेलकर्मियों के लिए 78 दिनों के वेतन के बराबर उत्पादकता- संबद्ध बोनस को मंजूरी दी है। इस पर कुल 2,009.61 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। पात्र कर्मचारियों को अधिकतम 17,951 रुपये तक बोनस मिलेगा। यह निर्णय त्योहार के मौसम में कर्मचारियों के लिए आर्थिक राहत के साथ उनके परिश्रम और योगदान को सम्मान देने का भी संदेश देता है। वर्तमान समय में परिवारों के सामने शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और दैनिक जरूरतों से जुड़े अनेक खर्च हैं।ऐसे में दीपावली से पहले मिलने वाली अतिरिक्त राशि से रेलकर्मियों को अपने घरेलू बजट को व्यवस्थित करने और त्योहार की तैयारियां करने में सहायता मिलेगी। लाखों परिवारों तक पहुंचने वाली यह राशि बाजार में मांग बढ़ाने में भी योगदान दे सकती है। त्योहारों के दौरान खरीदारी बढ़ने से छोटे व्यापारियों, दुकानदारों और विभिन्न सेवाओं से जुड़े कारोबारियों को लाभ मिलने की संभावना रहती है उत्पादकता- संबद्ध बोनस का महत्व केवल आर्थिक भुगतान तक सीमित नहीं है। यह कर्मचारियों के योगदान को स्वीकार करने और कार्यकुशलता को प्रोत्साहित करने का माध्यम भी है। रेलवे में सुरक्षा और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं। आधुनिक तकनीक, नई रेल लाइनों, विद्युतीकरण और उन्नत परिचालन प्रणालियों के साथ कर्मचारियों का प्रशिक्षण, अनुभव और अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है।पिछले वर्षों में भारतीय रेल के आधुनिकीकरण, रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास, माल ढुलाई क्षमता बढ़ाने और सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इन योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी व्यापक होगा, जब कर्मचारियों को बेहतर कार्य परिस्थितियां, आवश्यक प्रशिक्षण और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। बोनस जैसे निर्णय कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं।इसके साथ ही रेलवे की कार्यप्रणाली में निरंतर सुधार और यात्रियों के प्रति जवाबदेही बनाए रखना भी आवश्यक है।आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश से बड़ा बदलाव

मंत्रिमंडल की बैठक का दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश से संबंधित है।सरकार ने फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स की सहायक कंपनी को बैंक में रणनीतिक हिस्सेदारी खरीदने के लिए स्वीकृति दी है। इस सौदे के तहत केंद्र सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम की संयुक्त 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी लगभग 52,878.08 करोड़ रुपये में बेची जाएगी। घोषित सौदे के अनुसार, शेयर का मूल्य 81 रुपये निर्धारित किया गया है, जो स्वतंत्र मूल्यांकन के आधार पर तय 75.99 रुपये के संदर्भ मूल्य से अधिक है। लेनदेन पूरा होने के बाद सरकार और एलआईसी की संयुक्त हिस्सेदारी 34 प्रतिशत रहने की जानकारी दी गई है।यह फैसला बैंकिंग क्षेत्र में सरकार की भूमिका, निजी निवेश और वित्तीय संस्थानों की कार्यकुशलता से जुड़ी व्यापक बहस को फिर सामने लाता है। रणनीतिक विनिवेश का उद्देश्य केवल सरकारी हिस्सेदारी का हस्तांतरण नहीं, बल्कि किसी संस्थान को पूंजी, प्रबंधन क्षमता और प्रतिस्पर्धा के लिहाज से अधिक सक्षम बनाने की संभावनाओं से भी जुड़ा होता है।

बदलते बैंकिंग परिदृश्य में डिजिटल भुगतान, साइबर सुरक्षा, ग्राहकों को त्वरित सेवाएं, ऋण वितरण और जोखिम प्रबंधन का महत्व लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में बैंक के लिए आधुनिक तकनीक अपनाना, ग्राहकों का विश्वास बनाए रखना और वित्तीय प्रदर्शन में सुधार करना आवश्यक है।यदि रणनीतिक निवेश से इन क्षेत्रों में सुधार होता है, तो इसका लाभ बैंक की दीर्घकालिक स्थिति को मजबूत करने में मिल सकता है।

हालांकि,इतने बड़े सौदे की सफलता का आकलन केवल सरकार को प्राप्त होने वाली राशि से नहीं किया जाना चाहिए। बैंक के जमाकताओं की सुरक्षा, कर्मचारियों के हित, ग्राहकों को मिलने वाली सेवाओं की गुणवत्ता और वित्तीय प्रणाली की स्थिरता भी महत्वपूर्ण हैं।नियामकीय शर्तों और कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए सौदे को पूरा करना आवश्यक होगा। यह भी देखना होगा कि स्वामित्व और प्रबंधन में बदलाव के बाद बैंक अपनी सेवाओं को किस प्रकार बेहतर बनाता है।कर्मचारी कल्याण और आर्थिक सुधारों के बीच संतुलन रेलवे बोनस और आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश को एक साथ देखने पर सरकार की दो अलग-अलग नीतिगत प्राथमिकताएं सामने आती हैं। रेलवे कर्मचारियों को बोनस देने का निर्णय उनके योगदान को सम्मानित करने और त्योहार के अवसर पर आर्थिक सहायता पहुंचाने से संबंधित है। वहीं आईडीबीआई बैंक के विनिवेश का उद्देश्य संस्थागत ढांचे और प्रबंधन में बदलाव के माध्यम से बैंक की क्षमता बढ़ाने की दिशा में कदम उठाना है।भारत जैसी विशाल अर्थव्यवस्था में विकास की गति बनाए रखने के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश, उद्योगों का विस्तार, रोजगार के अवसर और मजबूत वित्तीय संस्थान आवश्यक हैं। इसके साथ ही कर्मचारियों के हितों और आम नागरिकों की जरूरतों की अनदेखी नहीं की जा सकती। आर्थिक सुधार तभी सार्थक होंगे, जब उनका लाभ व्यापक समाज तक पहुंचे और संस्थानों के प्रति जनता का विश्वास बना रहे।

रेलवे में कर्मचारियों की कार्यकुशलता और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने से यात्रियों को बेहतर सेवाएं मिल सकती हैं। दूसरी ओर, बैंकिंग क्षेत्र में निवेश और प्रबंधन सुधार से वित्तीय सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ने की संभावना है। दोनों ही मामलों में घोषणाओं से आगे बढ़कर उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण,निवेश को प्रोत्साहन और आर्थिक सुधारों को विकास की प्रमुख प्राथमिकताओं में रखा गया है। इन प्रयासों का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि उनसे रोजगार, उत्पादकता, सेवाओं की गुणवत्ता और आम नागरिकों के जीवन में कितना सकारात्मक परिवर्तन आता है।अंततः 14 अक्टूबर की मंत्रिमंडलीय बैठक के ये दोनों फैसले आर्थिक विकास के दो महत्वपूर्ण पक्षों को सामने रखते हैं।रेलकर्मियों के लिए बोनस का निर्णय श्रम और सेवा के सम्मान का संदेश देता है, जबकि आईडीबीआई बैंक का रणनीतिक विनिवेश वित्तीय क्षेत्र में बदलाव की दिशा को रेखांकित करता है। देश की प्रगति के लिए आवश्यक है कि आर्थिक सुधारों के साथ जनहित सुरक्षित रहे, कर्मचारियों का मनोबल बढ़े और सार्वजनिक संस्थानों की जवाबदेही बनी रहे। विकास की यही संतुलित दृष्टि भारत को मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

विकास गौतम का एम्स में चयन, राष्ट्र सेवी संगठन ने किया सम्मान

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील हसनपुर क्षेत्र के ग्राम हरियाना निवासी पूर्व प्रधान चंद्रप्रकाश जाटव के पुत्र विकास गौतम का अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में चयन होने पर गांव में खुशी का माहौल है। राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकताओं ने ग्राम में पहुंचकर माला पहनाकर उनका सम्मान किया और उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर



उपस्थित राष्ट्र सेवी संगठन के राष्ट्रीय संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि विकास गौतम ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के दम पर बड़ी उपलब्धि हासिल कर जहां एक ओर क्षेत्र और जनपद का नाम रोशन किया है, वहीं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। विकास गौतम की इस उपलब्धि से युवाओं और विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलेगी।इस अवसर पर आशाराम पाल, महेंद्र सैनी, चंद्रप्रकाश जाटव, मधुर कुमार आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने चोरी का किया खुलासा, दो गिरफ्तार, बैटरी इन्वर्टर और सोलर कंट्रोलर बरामद

मंडी धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा पुलिस ने चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी के 2 बैटरा, 3 सोलर इन्वर्टर और 16 सोलर कंट्रोलर बरामद किए गए हैं।
पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए गए अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में एवं क्षेत्राधिकारी मंडी धनौरा अंजली कटारिया के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।



गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान रिहान पुत्र मेंहदी हसन निवासी ग्राम आजमपुर थाना मंडी धनौरा जनपद अमरोहा उम्र करीब 20 वर्ष और गौरव पुत्र राधेश्याम उम्र करीब 25 वर्ष निवासी 6142/2 पल्लेदार मोहल्ला थाना सदर अंबाला कैंट हरियाणा के रूप में हुई है। 13 अक्टूबर को थाना मंडी धनौरा पर मु0अ0सं0 294/2026 धारा 305(अ) बीएनएस के तहत मुकदमा पंजीकृत हुआ था। चेकिंग व मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि करीब 3 दिन पहले 10 अक्टूबर को ग्राम खावड़ी के जंगल में रोड किनारे बनी दुकान रात के समय बंद थी और आसपास कोई व्यक्ति आता-जाता नहीं दिख रहा था।
इसी का फायदा उठाकर दोनों ने दुकान में रखे सौर ऊर्जा के इन्वर्टर, बैटरी और बिजली के सामान की चोरी कर ली थी। चोरी के सामान को बेचने के लिए ले जाते समय पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2)/ 331(4) बीएनएस की वृद्धि की गई है। अभियुक्तों को समय से संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

मिशन शक्ति 6.0' के तहत अमरोहा पुलिस ने 4 छात्राओं को किया सम्मानित, राष्ट्रस्तरीय खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर मिला सम्मान





धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील क्षेत्र स्थित कंपोजिट विद्यालय की चार मेधावी छात्राओं को राष्ट्र स्तरीय खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर अमरोहा पुलिस ने सम्मानित किया। इस दौरान चारों मेधावी छात्राओं ने पुलिस के द्वारा मिले सम्मान को पाकर अपने आप में बेहद गर्व महसूस किया वहीं इस महत्वपूर्ण गौरवशाली उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल व्याप्त है।
बता दें कि तहसील क्षेत्र के गांव ढयौटी में राष्ट्रीय स्तर पर खेलों के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और जिले का नाम रोशन करने वाली कंपोजिट विद्यालय ढयोटी की चार मेधावी छात्राओं को बुधवार को अमरोहा पुलिस द्वारा 'मिशन शक्ति 6.0' अभियान के अंतर्गत सम्मानित किया गया। इस गौरवशाली उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है और ग्रामीण अंचल की बेटियों की इस सफलता पर हर कोई गर्व महसूस कर रहा है।सम्मानित होने वाली छात्राओं में सना, निक्की, मनतशा और हिमांशी शामिल हैं, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और खेल कौशल के दम पर राष्ट्रीय पटल पर अपनी विशेष पहचान बनाई है। इन छात्राओं की इस सफलता के पीछे उनके अथक अभ्यास और खेल के प्रति समर्पण का बड़ा योगदान है, जिसने आज उन्हें इस मुकाम पर पहुंचाया है।इस प्रेरणादायक अवसर पर विद्यालय के शिक्षक सनी कैरोत और सिद्धार्थ गिल विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिन्होंने छात्राओं का मार्गदर्शन करने के साथ-साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शिक्षकों का मानना है कि आज की बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और उचित अवसर मिलने पर वे अकल्पनीय सफलता हासिल कर सकती हैं।कार्यक्रम में खेल और शिक्षा जगत से जुड़े कई गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। ब्लॉक व्यायाम शिक्षक सुमित यादव, सुनील भाटी, कपिल यादव, मुनेंद्र यादव, ओवैस जहीर, गौरव शर्मा, अनुज शर्मा, आदिल और शिल्पी ने भी छात्राओं की इस उपलब्धि की सराहना की और उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।अमरोहा पुलिस द्वारा उठाया गया यह कदम न केवल इन खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाएगा, बल्कि अन्य बालिकाओं को भी खेलों की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित करेगा। इस प्रकार के आयोजन समाज में महिला सशक्तिकरण और खेल संस्कृति को एक नया आयाम देते हैं।

मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए 17 एवं 24 अक्टूबर को सभी मतदेय स्थलों पर लगेंगे विशेष कैम्प

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने अवगत कराया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में पंजीकरण से छूटे हुए पात्र नागरिकों तथा प्रथम बार मतदाता बनने वाले युवाओं के नाम सम्मिलित करने के लिए जनपद में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद के सभी मतदेय स्थलों पर 17 अक्टूबर 2026 (शनिवार) एवं 24 अक्टूबर 2026 (शनिवार) को विशेष कैम्प आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि विशेष कैम्प के दौरान प्रत्येक मतदेय स्थल पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 04:00



बजे तक उपस्थित रहेंगे। कैम्प में मतदाता पंजीकरण के लिए पर्याप्त संख्या में फॉर्म-6 उपलब्ध रहेंगे। आवेदन करने वाले पात्र नागरिकों को फॉर्म-6 के साथ नवीनतम फोटो तथा जन्मतिथि एवं पते से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराने होंगे। प्रत्येक मतदान केंद्र पर हेल्प डेस्क भी स्थापित की जाएगी, जहां नागरिकों को फॉर्म-6 भरने एवं मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया में सहायता प्रदान की जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि अभियान की प्रभावी निगरानी के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा बूथों का पर्यवेक्षण किया जाएगा। इसके साथ ही निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी संबंधित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के पोलिंग स्टेशनों का भ्रमण करेंगे। जिलाधिकारी ने जनपद के सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे 17 एवं 24 अक्टूबर 2026 को अपने मतदेय स्थल पर आयोजित विशेष कैम्प में पहुंचकर मतदाता सूची में अपने नाम की जांच कर लें।
यदि उनका नाम मतदाता सूची में सम्मिलित नहीं है और वे निर्धारित पात्रता पूरी करते हैं, तो फॉर्म-6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया पूरी करें। लोकतंत्र में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में पंजीकरण आवश्यक है।

विशेष अभियान के तहत छूटे हुए एवं प्रथम बार/युवा मतदाताओं का नाम निर्वाचक नामावली में शामिल कराने के लिए राजनीतिक दल सक्रिय सहयोग करें:- जिलाधिकारी

अमरोहा (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निदेर्शानुसार निर्वाचक नामावली में पंजीकरण से छूटे हुए तथा प्रथम बार/युवा निर्वाचकों के नाम सम्मिलित किए जाने के संबंध में चलाए जा रहे विशेष अभियान में राजनीतिक दलों की सहभागिता बढ़ाने एवं उनका सक्रिय सहयोग प्राप्त करने के उद्देश्य से गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट, अमरोहा में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता में जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों के अध्यक्षों, मंत्रियों



एवं प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित राजनीतिक दलों के अध्यक्षों एवं प्रतिनिधियों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष अभियान के संबंध में दिए गए निदेर्शों से अवगत कराया गया। उनसे अपील की गई कि निर्वाचक नामावली में नाम दर्ज कराने से छूटे हुए तथा प्रथम बार/युवा मतदाताओं के फार्म-6 भरवाने में पूर्ण सहयोग प्रदान करें। इसके साथ ही राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त सभी बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) को सक्रिय करते हुए संबंधित मतदेय स्थलों पर तैनात बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के साथ समन्वय स्थापित कर विशेष अभियान को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की गई। जिन राजनीतिक दलों द्वारा अभी तक सभी मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल एजेंटों की नियुक्ति नहीं की गई है, उनसे नियमानुसार नियुक्तियां शीघ्र पूर्ण करने का अनुरोध किया गया। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह के साथ भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि चंद्रभान सिंह भाटी, बहुजन समाज पार्टी के प्रतिनिधि डॉ. जफर महमूद अब्बासी, इंडियन नेशनल कांग्रेस के प्रतिनिधि फैज आलम राईनी, समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष मस्तराम सिंह यादव तथा आम आदमी पार्टी के प्रतिनिधि मोहम्मद हारिस उपस्थित रहे।

गंगेश्वरी में प्रधानाध्यापकों की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न, विभागीय कार्यों में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

खंड शिक्षा अधिकारी उदयवीर सिंह ने समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के दिए निर्देश





रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकास खंड क्षेत्र गंगेश्वरी के ब्लॉक संसाधन केंद्र चन्दनपुर खादर पर बुधवार को ब्लॉक में कार्यरत प्रधानाध्यापकों एवं इंचार्ज अध्यापकों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए शासन एवं विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी उदयवीर सिंह ने कहा कि सभी प्रधानाध्यापक एवं इंचार्ज अध्यापक विभागीय निदेर्शों का गंभीरता से पालन करें। विद्यालयों से संबंधित समस्त सूचनाओं का आदान-प्रदान गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित समयसीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विभागीय सूचनाओं एवं आवश्यक कार्यों के संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में विद्यालयों में संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं शैक्षिक गतिविधियों की बिंदुवार समीक्षा की गई। इसमें कायाकल्प के अंतर्गत विद्यालयों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं के फोटोग्राफ एवं प्रमाणपत्र, नशा मुक्ति पोर्टल पर पंजीकरण, इको-क्लब नोटिफिकेशन अपलोड करने, कम नामांकन वाले विद्यालयों की समीक्षा तथा विद्यांजलि पोर्टल पर पंजीकरण की स्थिति पर चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त नए निपुण लक्ष्यों को प्राप्त करने, मिशन कर्मयोगी पोर्टल पर चार कोर्स पूर्ण करने, प्रशस्त ऐप पर निर्धारित वीडियो अपलोड करने, विद्याज्ञान परीक्षा के फॉर्म भरने तथा डीबीटी पेंडेंसी के निस्तारण की प्रगति पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में राष्ट्रीयकृत बैंकों में एसएमसी खातों को खोलने, इको-क्लब के अंतर्गत चार डस्टबिन एवं अन्य गतिविधियों, कंपोजिट ग्रांट के व्यय, एनआईएलपी पोर्टल पर निरक्षरों के डेटा, मध्याह्न भोजन ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों एवं भोजन की थाली के फोटोग्राफ दैनिक अनुश्रवण प्रणाली पर अपलोड करने तथा एमडीएम की गुणवत्ता सुनिश्चित करने संबंधी निदेर्शों पर चर्चा हुई। साथ ही कक्षा पांच एवं आठ उत्तीर्ण विद्यार्थियों को प्रेरणा पोर्टल पर अगली कक्षा में पंजीकृत कराने की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में उपस्थित शिक्षकों से अपेक्षा की गई कि वे विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करने के लिए पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।इस अवसर पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक गंगेश्वरी के अध्यक्ष रामवीर सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, एआरपी महीपाल सिंह, जगवीर सिंह, पवन अग्रवाल, प्रमोद कुमार, जयवीर सिंह, बिजेंद्र सिंह, गौतम सिंह, राघवेन्द्र सिंह,जयविन्द्र सिंह,मनवीर त्यागी,वसीम हैदर, चन्द्रपाल सिंह करनवीर सिंह,नितिन कुमार, देशराज सिंह,फैजान हस्मत, जयपाल सिंह, संजय सिंह, हरिओम सिंह,शायरा बी,निगहत, अनीता, शालू सहित ब्लॉक के अनेक प्रधानाध्यापक एवं इंचार्ज अध्यापक मौजूद रहे।

धनौरा में आशा कार्यकताओं का धरना प्रदर्शन जारी, कहा-जब तक सेवा शर्तों में सुधार नही तब तक जारी रहेगा आन्दोलन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में आशा कार्यकताओं का अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन बुधवार को भी जारी रहा इस दौरान उन्होंने कहा कि जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं की जाती तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा उन्होंने सेवा शर्तों में सुधार करने और मानदेय बढ़ाने की मांगों को लेकर बड़ी संख्या में एकत्रित होकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। बता दें कि इस दौरान संगठन की वरिष्ठ नेता सुमन शर्मा ने कहा कि आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य विभाग का अहम हिस्सा हैं। वे ग्रामीण इलाकों में गर्भवती महिलाओं,



बच्चों और जरूरतमंदों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाती हैं। पर उन्हें न उचित मानदेय मिल रहा है और न काम के दौरान सुरक्षा।इस अवसर पर संगठन की वरिष्ठ नेताओं व कार्यकताओं में मीना, पूनम, अनीता, तनुजा, रेखा, राजवती, मधु, आशा देवी, परमिता, सुमन देवी, अखिलेश त्यागी, कुशल त्यागी, आसमा, रुखसाना, शबनम, विशेष, उर्मिला, कुसुम, रीना, संतोष, मनीषा, कंचन, सुदेश, सरला, कांता, नीरू मोदी, लीलावती, केशव, कृष्णा, लता, मनजीत, मनोज, प्रवीन, वीरवती, ज्योति, प्रीति, इरम, मिथिलेश, अर्चना, लक्ष्मी और रविता सहित बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता मौजूद रहीं।सुमन शर्मा ने बताया कि आशाएं वर्षों से ईमानदारी से सेवाएं दे रही हैं, पर सरकार अनदेखी कर रही है।
प्रदर्शनकारियों ने साफ किया कि जब तक मांगों पर विचार नहीं होता, आंदोलन जारी रहेगा।सेवा शर्तों में सुधार, ड्यूटी के समय सुरक्षा, मासिक मानदेय में बढ़ोतरी और स्थायी कर्मचारी का दर्जा देना उनकी मुख्य मांगें हैं। इस मौके पर कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद थीं।

धनौरा में एसडीएम ने बीएलओ व सुपरवाइजरों के साथ की समीक्षा बैठक

मतदाता पुनरीक्षण अभियान को लेकर दिए दिशा निर्देश,कहा लापरवाही बरतने पर होगी कार्यवाही

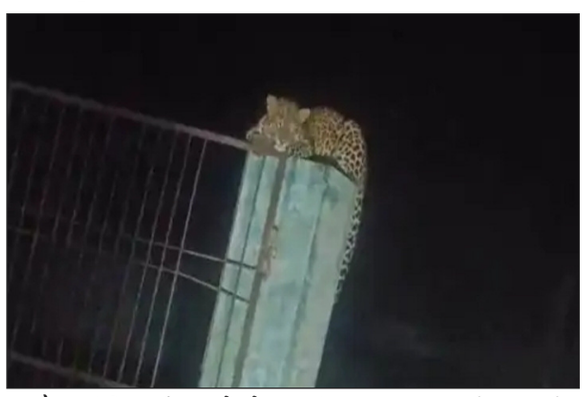




धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में बुधवार को धनौरा एसडीएम शैलेश कुमार दुबे ने बीएलओ एवं सुपरवाइजरों के साथ भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश अनुसार आगामी विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की। जिसमें एसडीएम धनौरा शैलेश कुमार दुबे ने आगामी विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान को पारदर्शी और सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए वहां उपस्थित सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्य में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। बता दें कि बैठक का आयोजन मंडी धनौरा स्थित एक निजी बैंकट हॉल में कराया गया जिसकी अध्यक्षता एसडीएम शैलेश कुमार दुबे ने की।बैठक के दौरान उपजिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे ने 39 धनौरा विधानसभा क्षेत्र के समस्त बीएलओ (BLO) और सुपरवाइजरों को अभियान की रूपरेखा से विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार आगामी 17 अक्टूबर और 24 अक्टूबर को विशेष 'बूथ डे' (Booth Day) का आयोजन किया जाएगा। इन दोनों तिथियों पर सभी बीएलओ अपने-अपने निर्धारित मतदान केंद्रों पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे और उपस्थित नागरिकों से आवेदन प्राप्त करेंगे। एसडीएम दुबे ने स्पष्ट किया कि एक माह तक चलने वाले इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि क्षेत्र का कोई भी पात्र नागरिक वोटर लिस्ट में दर्ज होने से न छूटे। अभियान के तहत प्रत्येक बीएलओ को अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर सर्वेक्षण (Door-to-Door Survey) करना होगा। जो भी नए पात्र नागरिक या छूटे हुए मतदाता मिलेंगे, उनके नाम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए फॉर्म-6 भरकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की जाएगी।उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अभियान की प्रगति की समीक्षा प्रत्येक सप्ताह नियमित रूप से की जाएगी। कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद और मनजीत सिंह सहित सुपरवाइजर रमेश चंद्र सैनी, विकास यादव मुकेश पूनिया, आदर्श मांगट, अमित कुमार, अमित कुमार वर्मा, सुमित सैनी, योगेश पाल, वीरेंद्र सैनी, अजय जवाहर, लक्ष्मण सैनी, मुनेंद्र प्रताप सिंह, नाजिर हुसैन, संगीता देवी, शीतल यादव, बिंटू, राजदेव सिंह, शनि सिद्धू, कुलदीप गिल, संजीव कुमार, रहमान अहमद, अमित कुमार, काविंदर सिंह, जयवीर सिंह सहित बड़ी संख्या में संबंधित कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित रहे।

डिडौली क्षेत्र में ईदगाह के गेट की दीवार पर बैठा दिखा तेंदुआ, क्षेत्र में दहशत का माहौल

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना डिडौली क्षेत्र में स्थित एक ईदगाह के गेट की दीवार पर रात्रि के समय एक तेंदुआ बैठा हुआ दिखाई दिया। जिसका वहां से गुजरने वाले कुछ ग्रामीणों ने वीडियो बनाकर अपने कमरे में कैद कर लिया। वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है उधर संबंधित विभाग के अधिकारियों ने क्षेत्र में पिंजरा लगाने की बात कही है।
बता दें कि पूरा मामला थाना डिडौली क्षेत्र के मुंडा इम्मा गांव



का है जहां स्थित ईदगाह के गेट की दीवार पर तेंदुआ दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। मंगलवार-बुधवार की रात करीब एक बजे तेंदुआ दीवार पर नजर आया।आसपास मौजूद ग्रामीणों ने दूर से ही अपने मोबाइल फोन से उसका वीडियो बना लिया। वीडियो सामने आने के बाद गांव में लोगों की चिंता बढ़ गई है।ग्रामीणों को बच्चों, बुजुर्गों और खेतों में काम करने वाले लोगों की सुरक्षा की चिंता सता रही है। उन्होंने वन विभाग से तेंदुए को जल्द पकड़ने की मांग की है, ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके।डीएफओ राजीव कुमार ने बताया कि गांव में वन विभाग की टीम भेजी जाएगी। तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया जाएगा।

4 सब का सपना
हिंदी दैनिक
संभल/अमरोहा
अमरोहा
गुरुवार 15 अक्टूबर 2026
www.sabkasapna.com

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक में सुलझे घरेलू विवाद





चंदौसी /संभल (सब का सपना):- जनपद के पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी के आदेशानुसार तथा अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिण मनोज रावत एवं क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी चंदौसी में परामर्श केंद्र प्रभारी व महिला थानाध्यक्ष डॉ रुकम पाल सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक के दौरान पति-पत्नी के मध्य उत्पन्न हुए आपसी विवादों को परामर्श केंद्र के काउंसलरों के सहयोग से सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का सार्थक प्रयास किया गया। इस दौरान कुल 41 पत्रावलियों पर विचार-विमर्श कर सुनवाई की गई। गहन काउंसलिंग और निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप 13 पत्रावलियों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया तथा 3 बिछड़े परिवारों को पुनः एक साथ मिलाकर उनका पुनर्मिलन कराया गया। इसके अतिरिक्त 2 पत्रावलियों पर विधिक कार्यवाही की संस्तुति की गई जबकि 8 पत्रावलियों को आवेदकों द्वारा बल न दिए जाने व अन्य कारणों से बंद कर दिया गया। इस अवसर पर काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, सब इंस्पेक्टर महेश गंगवार, हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह और रुचि सहित अन्य पुलिसकर्मी व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आशा संगिनियों ने छह सूत्रीय मांगों को लेकर शासन के नाम सौंपा ज्ञापन





बहजोई/संभल (सब का सपना):- प्रदेश के जिला सम्भल में आशा एवं आशा संगिनी कर्मचारी संगठन संबद्ध भारतीय मजदूर संघ द्वारा अपनी छह सूत्रीय मांगों के पूर्ण न होने पर पुनः शासन के माध्यम से मांगों को पूरा कराने हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी सम्भल के जरिए छह सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया है। संगठन की पदाधिकारियों का कहना है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो वे अपना संघर्ष जारी रखेंगी। इस ज्ञापन में मुख्य रूप से छह मांगें रखी गई हैं जिनमें समस्त उत्तर प्रदेश की आशा तथा आशा संगिनियों को राज्य कर्मचारी घोषित करते हुए आशा वर्कर को न्यूनतम 18000 रुपये प्रतिमाह तथा आशा संगिनी वर्कर को न्यूनतम 24000 रुपये प्रतिमाह मानदेय देने, सभी का निःशुल्क जीवन बीमा कराने तथा दुर्घटना में मृत्यु होने पर 10 लाख रुपये का मुआवजा और घायल होने पर उचित मुआवजा तत्काल दिलाने की मांग शामिल है। इसके अलावा सेवानिवृत्ति पर एकमुश्त 10 लाख रुपये का भुगतान कराने, कार्यक्षेत्र में विजिट के लिए इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी तथा 5जी मोबाइल या टैबलेट और प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की गई है। साथ ही सभी आशा व आशा संगिनियों को पदोन्नति तथा मातृत्व अवकाश की व्यवस्था प्रदान करने और ईपीएफओ एवं ईएसआईसी का लाभ देने की भी मांग उठाई गई है। इस ज्ञापन को सौंपने के दौरान जिलाध्यक्ष नीतू सिंह, जिला उपाध्यक्ष कविता चौधरी, जिला मंत्री कुसुम शर्मा, कोषाध्यक्ष सीमा त्यागी, जिला महामंत्री पूनम शर्मा, मनीषा गुप्ता, हेमलता, आरती और सरोज सहित अन्य आशा एवं आशा संगिनियां उपस्थित रहीं।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर 384 वाहनों के चालान, 8.21 लाख रुपये का जुमार्ना



संभल(सब का सपना):- जनपद में बुधवार को पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी यातायात अजीत सिंह एवं प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। अभियान के अंतर्गत इंटरसेप्टर मोटरसाइकिल के माध्यम से तेज गति से वाहन चलाने वाले 135 वाहनों के खिलाफ प्रवर्तन की कार्रवाई की गई। वहीं, ओवरलोडिंग करने वाले टेंपो और ई-रिक्शा के विरुद्ध 49 वाहनों पर कार्रवाई की गई। इसके अलावा टेंपो और ई-रिक्शा में अनधिकृत रूप से लगाए गए 16 पायदान हटवाए गए। यातायात पुलिस ने तीन वाहनों को सीज करने की कार्रवाई भी की। इसके अतिरिक्त यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कुल 384 वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तन की कार्रवाई करते हुए 8,21,500 रुपये का जुमार्ना किया गया। यातायात पुलिस द्वारा चलाए गए इस अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना, यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना तथा वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक करना है। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की कि वे निर्धारित गति सीमा का पालन करें, ओवरलोडिंग से बचें और यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित यात्रा करें।

शारदीय नवरात्रि पर सत्यव्रत पुलिस चौकी में भव्य दुर्गा सप्तशती पाठ व हवन का आयोजन

सम्भल की सुख-समृद्धि के लिए जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने दी आहुतियां



सम्भल (सब का सपना):- शारदीय नवरात्रि के पावन एवं भक्तिमय अवसर पर सम्भल के मोहल्ला कोट पूर्वी स्थित सत्यव्रत पुलिस चौकी परिसर में एक भव्य एवं अलौकिक धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चारण की मधुर ध्वनियों के बीच विधि-विधानपूर्वक दुर्गा सप्तशती पाठ का समापन हुआ जिसके पश्चात जनपद की सुख-समृद्धि, खुशहाली और स्थायी शांति की मंगल कामना के साथ हवन-पूजन संपन्न कराया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल तथा पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी ने मुख्य यजमान के रूप में सहभागिता की। दोनों अधिकारियों ने पूरी श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मंत्रोच्चार के बीच हवन कुंड में आहुतियां अर्पित कीं और मां भगवती से समस्त जनपदवासियों के कल्याण उत्तम स्वास्थ्य तथा क्षेत्र में अमन-चैन बनाए रखने की प्रार्थना की। धार्मिक मान्यताओं और प्राचीन परंपराओं का निर्वहन करते हुए दुर्गा सप्तशती पाठ के उपरांत आयोजित इस विशेष हवन यज्ञ में फल ताजी सब्जियों एवं विभिन्न प्रकार के खाद्यान्न सामग्री की आहुतियां समर्पित की गईं। पूरे चौकी परिसर का वातावरण आहुतियों की सुगंध और वैदिक मंत्रों की गूंज से भक्तिमय एवं पवित्र हो उठा। कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक एवं पुलिस महकमे के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान मुख्य रूप से अपर पुलिस अधीक्षक सुमित सुधाकर रामटेके उप जिलाधिकारी सम्भल विकास चन्द्र, क्षेत्राधिकारी सम्भल कुलदीप कुमार समेत जनपद के कई अन्य संबंधित अधिकारी एवं पुलिस कर्मी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने पूजा-अर्चना कर मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने का संकल्प लिया।

16 वर्षीय किशोरी का कराया जा रहा था बाल विवाह, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बचाया



बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना नखासा क्षेत्र में मिशन शक्ति टीम ने बाल विवाह की सूचना पर कार्रवाई करते हुए करीब 16 वर्षीय नाबालिग किशोरी को सकुशल बरामद किया। ग्राम ठिल्लूपुरा में धर्मवीर पुत्र चंद्रपाल के मकान पर नाबालिग लड़की का कथित रूप से जबरन बाल विवाह कराया जा रहा था। इसकी जानकारी मिलने पर थाना नखासा की मिशन शक्ति टीम मौके पर पहुंची और किशोरी को सुरक्षित बरामद कर लिया। पुलिस टीम ने मामले की जानकारी चाइल्ड हेल्पलाइन तथा बाल विवाह निवारण के लिए कार्यरत प्रयत्न संस्था के प्रभारी गौरी शंकर चौधरी को दी। इसके बाद किशोरी को वन स्टॉप सेंटर, बहजोई भेज दिया गया, जहां उसकी सुरक्षा एवं देखभाल की व्यवस्था की गई है। पुलिस के अनुसार, मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। मिशन शक्ति टीम की इस कार्रवाई से नाबालिग को बाल विवाह से बचाया गया। बाल विवाह कानूनन अपराध है और नाबालिगों के अधिकारों एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐसे मामलों में संबंधित विभागों द्वारा कार्रवाई की जाती है।

दुर्गा अष्टमी पर मातृशक्ति ने किया मां दुर्गा का पूजन, शस्त्र पूजन के साथ दिया संस्कृति रक्षा का संदेश

लाल वस्त्रों में सजीं मातृशक्ति ने भक्तिमय माहौल में मनाया पर्व, कन्या पूजन कर लिया आशीर्वाद





संभल(सब का सपना):- जनपद में विश्व हिंदू परिषद, मातृशक्ति एवं दुर्गा वाहिनी और महिला शक्ति संगठन के संयुक्त तत्वावधान में दुर्गा अष्टमी का पावन पर्व धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मातृशक्ति की महिलाओं ने पारंपरिक लाल वस्त्र धारण कर भाग लिया। महिलाओं की उपस्थिति और धार्मिक अनुष्ठानों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम के दौरान मां दुर्गा के जयकारों से पंडाल गूंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान के साथ मां दुर्गा के पूजन से किया गया। इसके बाद परंपरा और शक्ति के प्रतीक स्वरूप शस्त्र पूजन का आयोजन हुआ, जिसमें संगठन की कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के जयकारे लगाए और भक्ति गीतों के माध्यम से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। दुर्गा अष्टमी के अवसर पर कन्या पूजन भी किया गया। सुंदर वस्त्रों में सजी नन्हीं कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर उनका विधिवत पूजन किया गया। उपस्थित महिलाओं एवं अन्य श्रद्धालुओं ने कन्याओं के चरण पखारकर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान कन्याओं को सम्मानपूर्वक पूजते हुए पर्व की धार्मिक मान्यताओं और भारतीय परंपराओं का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित मातृशक्ति संयोजिका दीपा वार्ष्णेय ने दुर्गा अष्टमी के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति का स्वरूप माना गया है। नारी केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने माताओं और बहनों से अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानने तथा भारतीय संस्कृति और सामाजिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे आने का आह्वान किया। दीपा वार्ष्णेय ने संगठन की कार्यकताओं से एकजुट होकर समाजहित और राष्ट्र सेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि महिलाओं की जागरूकता, एकता और सहभागिता से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

अंत में मां दुर्गा की आराधना के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इसके बाद उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। दुर्गा अष्टमी के इस आयोजन में धार्मिक आस्था, नारी शक्ति और सांस्कृतिक परंपराओं की झलक देखने को मिली।

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण हेतु फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

अपर जिलाधिकारी ने बांटे प्रमाण-पत्र



चंदौसी/संभल (सब का सपना):- जनपद में भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनसंख्या गणना कार्य हेतु नामित फील्ड ट्रेनर्स के द्वितीय बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। चन्दौसी-बहजोई रोड स्थित श्रीकृष्ण इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट एण्ड साइंस में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व एवं जिला जनगणना अधिकारी सत्यप्रिय सिंह ने सभी प्रतिभागी फील्ड ट्रेनर्स को प्रमाण-पत्र वितरित किए। समापन अवसर पर अपर जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है। इसके अंतर्गत जुटाए गए आंकड़े देश और प्रदेश के सर्वांगीण विकास कल्याणकारी योजनाओं के निर्माण तथा राष्ट्रीय संसाधनों के बेहतर नियोजन में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी फील्ड ट्रेनर्स को निर्देश दिया कि वे प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त तकनीकी बारीकियों दिशा-निदेशों और कार्यप्रणाली का सही ढंग से उपयोग करें। उन्होंने कहा कि मैदानी स्तर पर काम करने वाले प्रगणकों को ऐसा प्रभावी प्रशिक्षण दिया जाए जिससे पूरी जनगणना प्रक्रिया पूर्ण गंभीरता शुद्धता और निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार सम्पन्न कराई जा सके। कार्यक्रम के दौरान जनगणना-2027 के महत्वपूर्ण चरणों की तिथियों की विस्तृत जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि आम नागरिकों की सुविधा के लिए स्व-गणना का विकल्प 16 नवम्बर से 30 नवम्बर तक खुला रहेगा। इसके उपरांत प्रगणक स्वयं घर-घर जाकर 01 दिसम्बर से 4 जनवरी 2027 तक भौतिक जनसंख्या गणना का कार्य पूरा करेंगे। उत्तर प्रदेश राज्य के लिए जनगणना की संदर्भ तिथि 05 जनवरी 2027 की रात्रि 12 बजे तय की गई है जिसके तुरंत बाद 05 जनवरी से 09 जनवरी 2027 तक पुनरीक्षण चरण संचालित किया जाएगा।

अपर जिलाधिकारी सत्यप्रिय सिंह ने जनपद के सभी नागरिकों से अपील की कि वे स्व-गणना की सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और प्रगणकों के घर आगमन पर उन्हें पूरी तरह सत्य और सटीक जानकारी प्रदान करके राष्ट्रीय महाअभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

शिक्षकों के बीच पहुंचे सय्यद शान अली, हरि सिंह ढिल्लो के समर्थन में की वोटों की अपील

शिक्षकों के हितों की आवाज उठाने वाले प्रत्याशी को जिताने का किया आह्वान



सम्भल(सब का सपना):- बुधवार को विधान परिषद चुनाव को लेकर भाजपा कार्यकताओं ने जनसंपर्क अभियान चलाते हुए शिक्षकों से पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। इसी क्रम में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नामित नगर पालिका परिषद सम्भल के सभासद सय्यद शान अली नगर के एमजीएम कॉलेज पहुंचे। यहां उन्होंने शिक्षकों से मुलाकात कर विधान परिषद चुनाव में भाजपा प्रत्याशी हरि सिंह ढिल्लो को भारी बहुमत से विजयी बनान की अपील की। इस दौरान सय्यद शान अली ने कहा कि हरि सिंह ढिल्लो शिक्षकों के सच्चे हितैषी हैं और हमेशा शिक्षकों की समस्याओं को लेकर आगे रहते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के हितों की रक्षा करने और उनकी समस्याओं को प्रमुखता से उठाने के लिए ऐसे प्रतिनिधि का समर्थन जरूरी है, जो उनकी आवाज को उचित मंच तक पहुंचा सके। उन्होंने विश्वास जताया कि हरि सिंह ढिल्लो इस बार भी जीत दर्ज कर शिक्षकों के विश्वास पर खरे उतरेंगे। सय्यद शान अली ने शिक्षकों से अपील की कि वे एकजुट होकर भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में मतदान करें और उन्हें भारी बहुमत से विजयी बनाएं। इस दौरान कॉलेज के शिक्षकों से चुनाव को लेकर चर्चा भी की गई।

इस मौके पर डॉ. निरंकार सिंह, डॉ. मोहम्मद इमरान, डॉ. राज कमल सिरोहा, डॉ. संजय बाबू दुबे, डॉ. प्रकाश नारायण, डॉ. फहीम अहमद, डॉ. हुमा फातिमा, डॉ. नदीम, डॉ. अर्चना बंसल, डॉ. विजय लक्ष्मी शर्मा, डॉ. प्रीति सिंह, डॉ. दिलदार हुसैन, डॉ. नीलेश कुमार, डॉ. अजय और डॉ. अमृतेश अवस्थी सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

बहादुरगढ़ और नूरपुर को ब्लॉक बनाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम स्वतंत्र प्रभार मंत्री को सौंपा ज्ञापन



गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (सब का सपना):- जनपद के तहसील गढ़मुक्तेश्वर के बहादुरगढ़ गांव को ब्लॉक कार्यालय बनाने तथा हापुड़ जिले के नूरपुर गांव में ब्लॉक कार्यालय स्थापित करने की मांग को लेकर राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं भ्रष्टाचार निवारण संघ की ओर से मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार के नाम स्वतंत्र प्रभार मंत्री नरेंद्र कश्यप को गढ़ नगर में एक कार्यक्रम के दौरान ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में क्षेत्र की जनता को प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने और ग्रामीण विकास को गति देने की मांग उठाई गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि हापुड़ जिले के गठन को लगभग 13 वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन जिले में विकासखंडों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता बनी हुई है। ज्ञापन के अनुसार, शासन के निर्धारित मानकों को पूरा करने के लिए जिले में छह अतिरिक्त ब्लॉकों की आवश्यकता बताई गई है। अभी मात्र चार ब्लॉक हैं। पंकज लोधी की ओर से बहादुरगढ़ को ब्लॉक बनाने की मांग लंबे समय से उठाई जा रही है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि बहादुरगढ़ क्षेत्र में लगभग 38 गांव और करीब 1,21,553 की आबादी शामिल है। क्षेत्र में ब्लॉक कार्यालय स्थापित होने से ग्रामीणों को विकास संबंधी कार्यों और सरकारी योजनाओं के लिए बेहतर प्रशासनिक सुविधा मिल सकेगी। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि हापुड़ जिले के नूरपुर गांव में ब्लॉक कार्यालय बनाया जाना जनहित में आवश्यक है। इससे ग्रामीणों को अपने क्षेत्र में ही प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी और जिले में विकासखंडों की संख्या निर्धारित मानकों के अनुरूप करने में सहायता मिल सकती है। जनहित में मुख्यमंत्री से बहादुरगढ़ और नूरपुर में ब्लॉक कार्यालय स्थापित करने के प्रस्ताव पर विचार कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की गई है। मांग पूरी होने से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति मिलने तथा लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होने की उम्मीद जताई गई। इस दौरान समाजसेवी पंकज लोधी ने गढ़मुक्तेश्वर नगर पालिका सीमा में टोल प्लाजा की समस्या की बात भी मंत्री नरेंद्र कश्यप से कही। उन्होंने कहा कि नगर पालिका सीमा में टोल प्लाजा का अप्रूवल नहीं दिखाया जा रहा है, जो एक गंभीर समस्या है। आए दिन झगड़े हो रहे हैं, लंबे जाम लग रहे हैं, जिसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है। इस अवसर पर राजू कश्यप, विजय शर्मा, जय सिंह राणा, मास्टर शिवाजी, दीपक राणा, लोकेश, मनोज उपाध्याय, दीपेंद्र कोयले वाले, रोहित मल्होत्रा, मास्टर अंशु एडवोकेट, बबलू सहगल, कुंवरपाल लोधी आदि मौजूद रहे।

रामलीला के मंचन पर कोई रोक नहीं, अश्लील डांस पर होगी पाबंदी:- शिवसेना

शिवसेना की बैठक में फैलाई जा रही अफवाहों को बताया गलत, धार्मिक मंचन में महिला पात्रों की भूमिका पर रोक नहीं



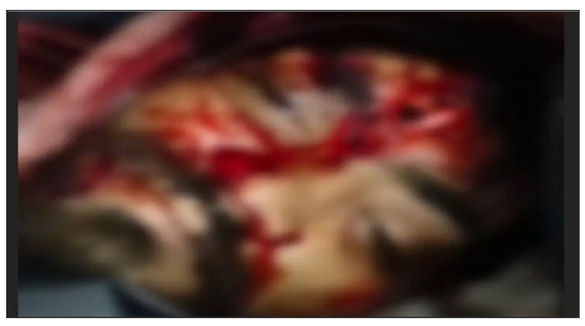
चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):- शिवसेना जिला बिजनौर की एक महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को बागडपुर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डॉ. पुलकित शर्मा ने की, जबकि संचालन बबलू प्रजापति ने किया। बैठक में रामलीला और राममंचन को लेकर जिले में चल रही चचाओं पर स्थिति स्पष्ट करते हुए शिवसेना जिला प्रमुख चौधरी वीर सिंह ने कहा कि जिले में रामलीला के मंचन पर कोई रोक नहीं है। केवल मंच पर अश्लील डांस और नग्न नृत्य जैसी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है। चौधरी वीर सिंह ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ लोगों द्वारा यह अफवाह फैलाई जा रही है कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में रामलीला और राममंचन को रोका जा रहा है, जबकि यह पूरी तरह गलत है। उन्होंने बताया कि उनकी स्वयं पुलिस अधीक्षक से बातचीत हुई है। बातचीत में स्पष्ट किया गया कि जिले में कहीं भी रामलीला के धार्मिक मंचन पर रोक नहीं लगाई गई है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के अश्लील डांस और नग्न नृत्य जैसी गतिविधियों पर रोक लगाने का उद्देश्य आयोजनों के दौरान होने वाले विवादों और लड़ाई-झगड़ों को रोकना है। ऐसे विवाद कई बार गंभीर घटनाओं का रूप ले लेते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि रामलीला में माता सीता, मंदोदरी और शूर्पणखा जैसे महिला पात्रों की भूमिका निभाने पर कोई रोक नहीं है। ये पात्र धार्मिक मंचन का अभिन्न हिस्सा हैं। शिवसेना जिला प्रमुख ने कहा कि जनहित और कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए अश्लीलता पर रोक लगाने के फैसले का विरोध करना उचित नहीं है। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे रामलीला को लेकर फैल रही अफवाहों पर ध्यान न दें और लोगों को वास्तविक स्थिति से अवगत कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि जिले में कहीं पुलिस द्वारा रामलीला के धार्मिक मंचन को अनावश्यक रूप से रोके जाने की शिकायत सामने आती है, तो इसकी सूचना तत्काल शिवसेना जिला बिजनौर को दें। संगठन कार्यकताओं के साथ खड़ा रहेगा। बैठक में रामलीला के धार्मिक स्वरूप को बनाए रखने, अश्लीलता पर रोक और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के मुद्दे पर चर्चा की गई।

महान गायक किशोर कुमार को दी समारोह पूर्वक संगीत में श्रद्धांजलि



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- महान गायक किशोर कुमार की पुण्यतिथि के मौके पर मो सराय मीर स्थित कांशीराम मेमोरियल हॉल में संगीत मय श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया जिसमें शाहनवाज खलील समेत सैकड़ो गणमान्य लोगों ने किशोर कुमार को संगीत में श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरूआत किशोर कुमार के चित्र पर माल्यर्पण कर हुई। इसके बाद ग्रुप के कलाकारों क्रमशः अमन कुमार,ईश्वर,विशाल सैनी, इकबाल, रईस, कृष्ण कुमार बिश्नोई, इरफान, जाकिर, शहनवाज खलील ने किशोर कुमार के यादगार गीतों को सुनाकर स्रोताओं को झूमने पर विवश कर दिया ग्रुप के डायरेक्टर सुशील गुप्ता और विशाल गुप्ता एडवोकेट के गीतों पर स्रोताओं ने भरपूर तालियाँ बजाई। सोसाइटी की अध्यक्ष डॉ.अंजू बिश्नोई द्वारा सुनाई गई कविता पर भरपूर दाद दी गयी, कार्यक्रम में विशेष अतिथि शेख शहनवाज खलील ने हलचल सोसाइटी को अपना परिवार बताते हुए कहा कि उनके पिता स्व.शेख खलीलुर्रहमान का सोसाइटी से बहुत पुराना नाता रहा है,वो उसी परंपरा को निभाते रहेंगे। आलमगीर काजमी के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन पर हलचल म्यूजिकल सोसाइटी की अध्यक्ष व म्यूजिकल ग्रुप के डाइरेक्टर सुशील गुप्ता द्वारा संयुक्त रूप से अतिथियों को स्मृतिचिन्ह भेंट किये।

डिवाइडर से टकराई बाइक, काशीपुर के युवक की दर्दनाक मौत



नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- मण्डावली थाना क्षेत्र के टोल प्लाजा के पास मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, सुबह करीब 5 बजे एक अनियंत्रित बाइक (UK 18 Q 4098) डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बाइक चला रहे उत्तराखंड के काशीपुर (कचनाल कॉलोनी) निवासी अंगद (20) पुत्र सतनाम के माथे पर गंभीर चोट आई। पुलिस ने तुरंत घायल को सीएचसी समीपुर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

रेपो ऐप से फाइनेंस वाहनों की जानकारी लेकर करते थे अवैध वसूली, चार गिरफ्तार

वाहन रोककर दी जाती थी धमकी, रुपये न देने पर छीनी जाती थी मोटरसाइकिल



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- फाइनेंस की किस्त जमा न होने वाले वाहनों की जानकारी रेपो ऐप के माध्यम से प्राप्त कर वाहन स्वामियों से अवैध वसूली करने वाले गिरोह का नगीना पुलिस ने पदार्फाश किया है। स्वाट और सर्विलांस टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से छीनी गई एक स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार मंगलवार को नगीना थाना क्षेत्र के मोहल्ला छिप्पीपाड़ा निवासी खालिद पुत्र इरफान ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी मोटरसाइकिल संख्या UK07FF7621 को आरोपियों ने रास्ते में रोक लिया था। आरोप है कि आरोपियों ने उससे 56 हजार रुपये की मांग की। रुपये देने से इनकार करने पर उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की गई तथा नकदी और मोटरसाइकिल छीन ली गई। मामले में थाना नगीना पर मुकदमा अपराध संख्या 312/2026 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। विवेचना के दौरान प्रकाश में आए आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई। बुधवार को स्वाट, सर्विलांस और थाना नगीना पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में नगीना के मोहल्ला सय्यदबाड़ा निवासी बिपिन उर्फ सेठी पुत्र सुनील, मुरादाबाद के सिविल लाइंस क्षेत्र की आशियाना कॉलोनी फेस-2 निवासी अनुराग सक्सेना पुत्र राकेश सक्सेना, नगीना थाना क्षेत्र के ग्राम करबला कोटरा निवासी पुष्पेंद्र पुत्र मुनीराज तथा नजीबाबाद थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर बसी निवासी आकाश पुत्र संजीव शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छीनी गई स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की है। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(2) की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस के अनुसार, मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पूछताछ में आरोपियों ने कथित तौर पर बताया कि वे रेपो ऐप के माध्यम से ऐसे वाहनों की जानकारी प्राप्त करते थे, जिनकी फाइनेंस की किस्तें बकाया होती थीं। इसके बाद संबंधित वाहन को रास्ते में रोककर वाहन स्वामी को गाड़ी ले जाने की धमकी देते हुए अवैध रूप से रुपये वसूलते थे।

रुपये न देने पर वाहन छीनकर हरिद्वार स्थित अजय एसोसिएट्स में जमा कर देते थे। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी जानकारी सामने आई है। मामले में पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

डॉ. सुशील कुमार शर्मा का लंबी बीमारी के बाद निधन, नगर में शोक की लहर



नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के मोहल्ला जोशियान निवासी वरिष्ठ पत्रकार और जाने-माने चिकित्सक डॉ. सुशील कुमार शर्मा (56 वर्ष) का लंबी बीमारी के चलते बुधवार की प्रातः करीब 4:15 बजे निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही नगर में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों व शुभचिंतकों में कोहराम मच गया।प्राप्त समाचार के अनुसार डॉ. सुशील कुमार शर्मा एक बेहद मिलनसार और मृदुभाषी व्यक्ति थे। पत्रकारिता के क्षेत्र में उनकी लेखनी हमेशा समाज के लिए हितकारी और प्रेरणादायक रही। उन्होंने अपनी पैनी और निष्पक्ष कलम से हमेशा आमजन की समस्याओं और आवाज को प्रमुखता से उठाने का कार्य किया। पत्रकारिता के साथ-साथ उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में भी पूरी निष्ठा से लोगों की सेवा की, जिसके चलते नगर में उनका विशेष सम्मान था। बुधवार की दोपहर करीब 1:00 बजे उनकी अंतिम यात्रा उनके आवास से निकाली गई। नगर की सीमा पर स्थित श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनकी अंतिम यात्रा में शहर के गणमान्य नागरिकों, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में पत्रकारों ने शामिल होकर नम आँखों से अंतिम विदाई दी। निधन का समाचार मिलते ही उनके आवास पर सांत्वना देने वालों का तांता लग गया। अंतिम यात्रा और शोक व्यक्त करने वालों में प्रमुख रूप से नवाब अहमद, इदरीस अहमद, जमशेद, डॉ. अनिल कुमार, डॉ दीपक चौहान, डॉ. जबर सिंह उर्फ गुड्डू, डॉ. राधेश्याम, डॉ. जैद, नजाकत हुसैन, उबैद इलेक्ट्रिशियन, शेख सलमी, अनिल चौधरी, काका अंसारी, वरिष्ठ पत्रकार जहीन अंसारी, आबिद अंसारी, विपिन वर्मा, अकबर अली, अब्दुल कलाम, मोहित शर्मा, मुनीश राणा, कुलवीर चौधरी, महकार सिंह तोमर, विशाल शर्मा, दीपेंद्र शर्मा, सोनी शर्मा, ऋषभ जैन, फैजान सिद्दीकी, अरविंद जोशी, डॉ अशोक शर्मा, जहांगीर भारती, रवि शर्मा, शहजाद मलिक आदि शामिल रहे। सभी ने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

नजीबाबाद पुलिस ने की सख्ती, ई-रिक्शा के लिए नए नियम लागू, नाबालिगों के चलाने पर पूरी रोक



नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए पुलिस प्रशासन ने कड़ा रुख अपना लिया है। उप निरीक्षक सौरभ सिंह और यातायात पुलिस द्वारा ई-रिक्शा चालकों की बैठक लेकर स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं। जिसमें बिना पंजीकरण वाले ई-रिक्शा का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। नाबालिगों द्वारा रिक्शा चलाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वाहन केवल तय स्टैंड पर ही खड़े होंगे मनमानी करने वालों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

अब यह देखना अहम होगा कि पुलिस की इस सख्ती से जाम की समस्या से कितनी राहत मिलती है और नियमों का कितना पालन होता है।

एक दिन की वार्डन बनी कक्षा 8 की छात्रा कु पायल कौर



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिए मिशन शक्ति विशेष अभियान के छठवे चरण के अन्तर्गत मंगलवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय ग्राम हीरावाली नगीना में कक्षा 8 की छात्रा कु० पायल कौर को एक दिन की वार्डन बनाया गया। वार्डन बनते ही उन्होंने विद्यालय की सभी व्यवस्थाओं को परखते हुए बारीकी से जानकारी प्राप्त की। महिला एवं बालिका मिशन शक्ति विशेष अभियान के छठवे चरण के अन्तर्गत विद्यालय की वार्डन मीनाक्षी चौधरी और अन्य छात्राएँ कशिश, रिया, इंजल आदि ने एक दिन की बनी वार्डन पायल कौर को बुके देकर जोरदार स्वागत किया। एक दिवसीय वार्डन ने छात्राओ की उपस्थिति पंजिका, छात्राओ के आने जाने का रिकार्ड छात्राओ की सुरक्षा, निगरानी की व्यवस्था भोजन की गुणवत्ता, रसोईघर की साफ-सफाई खेलकूद एवं अन्य गतिविधियो का निरीक्षण किया। वार्डन पायल कौर ने छात्राओ को बताया कि समय पर उठे और सभी छात्राएँ दिनचर्या का पालन करे प्रार्थना कक्षाओं में समय पर पहुंचे। प्रतिदिन स्नान अवश्य करे और साफ कपड़े पहने प्रतिदिन नियमित रूप से पढ़ाई करे। एक दिवसीय वार्डन पायल कौर ने कुछ बाते छात्राओ से पूछी जैसे क्या आपको समय पर भोजन मिलता है? क्या आपको स्वास्थ्य सम्बंधी कोई परेशानी है? क्या अपनी समस्या को वार्डन के साथ साझा करना चाहती हो आदि उन्होंने कहा कि हमेशा याद रखे कि अनुशासन, स्वच्छता मेहनत, और अच्छे संस्कार सफलता की कुंजी है। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

चोरी के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार, आभूषण बरामद

स्योहारा पुलिस ने चोरी की घटना का किया खुलासा, छह पीली धातु और तीन सफेद धातु के आभूषण बरामद



स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा थाना पुलिस ने चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से नौ आभूषण बरामद किए हैं। इनमें छह पीली धातु और तीन सफेद धातु के आभूषण शामिल हैं। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर मुकदमे में संबंधित धारा की बढ़ोतरी करते हुए अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, पांच सितंबर 2026 को मोहल्ला इस्लामनगर स्थित जमाल शाही मस्जिद निवासी कयामुद्दीन पुत्र अब्दुल सत्तार ने थाना स्योहारा में तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात चोर उनके घर से सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए हैं। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 342/2026, धारा 305(ए) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। विवेचना के दौरान प्रकाश में आए आरोपी की पहचान शाकिब पुत्र शाहबुद्दीन निवासी मोहल्ला इस्लामनगर, कस्बा व थाना स्योहारा, जनपद बिजनौर के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक बुधवार 14 अक्टूबर को थाना स्योहारा पुलिस ने आरोपी शाकिब को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से काली पन्नी में रखे नौ आभूषण बरामद किए गए। बरामद आभूषणों में पीली धातु की एक अंगूठी, लंबे कान के टॉप्स की एक जोड़ी, गोलाकार कुंडल की एक जोड़ी और नोज पिन की एक जोड़ी शामिल है। इसके अलावा सफेद धातु की एक जोड़ी हाथफूल और एक पायल भी बरामद हुई है। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की है। आरोपी के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इन पुलिसकर्मियों की रही भूमिका आरोपी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक कृष्ण कुमार, हेड कांस्टेबल नवीन चंद जोशी, कांस्टेबल अंकुश सरोहा, सुमित और हिमांशु शामिल रहे।

मिशन शक्ति के अंतर्गत पुलिस ने 12 महिलाओं को राशन किट की वितरण, पांच बच्चों को स्कूल ड्रेस व बैग देकर कराया दाखिला

दीपावली पर जरूरतमंद परिवारों के चेहरों पर बिखरी मुस्कान, अफजलगढ़ मिशन शक्ति केंद्र पर हुआ वितरण कार्यक्रम





अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक किशन अवतार के नेतृत्व में अफजलगढ़ मिशन शक्ति केंद्र पर जरूरतमंद महिलाओं और बच्चों की सहायता के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। कस्बा इंचार्ज मनीष कुमार की ओर से 12 जरूरतमंद महिलाओं को राशन किट और दीपावली के अवसर पर मिठाई के डिब्बे वितरित किए गए। वहीं, मजबूरी के कारण पढ़ाई छोड़ चुके पांच बच्चों को स्कूल ड्रेस और बैग देकर उनका दोबारा स्कूल में दाखिला कराया गया। कार्यक्रम के दौरान गांव भज्जावाला निवासी आशा पत्नी स्वर्गीय राजकुमार, राजबाला पत्नी स्वर्गीय गोपाल, भूतपुरी निवासी कांता देवी पत्नी स्वर्गीय रतन सिंह, गीता देवी पत्नी स्वर्गीय ईमरत सिंह, मोहल्ला किला निवासी पवन पत्नी स्वर्गीय अनिल कुमार, राजो देवी पत्नी स्वर्गीय रामपाल, अर्चना देवी पत्नी निर्मल सिंह तथा मोहल्ला गौहर अली खां निवासी मीरा देवी पत्नी संजय सहित कुल 12 महिलाओं को राशन किट और मिठाई के डिब्बे वितरित किए गए। इसके अलावा मोहल्ला गौहर अली खां निवासी तुलसी, प्रीति पुत्री अशोक कुमार और आकांक्षा पुत्री जयपाल सिंह सहित पांच बच्चों को स्कूल ड्रेस और बैग दिए गए। इन बच्चों का स्कूल में दाखिला भी कराया गया, जिससे वे दोबारा अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। इस अवसर पर कस्बा इंचार्ज मनीष कुमार, समाजसेवी अनिल नारायण, हेड कांस्टेबल राजू सागर, कांस्टेबल सोमेश कुमार, अमित बेनीवाल, महिला कांस्टेबल शिवानी, मनीषा, हिमांशी और शिवानी पाल सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

साहनपुर में श्रीरामलीला का भव्य शुभारंभ, अवनीश अग्रवाल ने काटा फीता



नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र में धार्मिक उल्लास के साथ श्रीरामलीला मंचन का शुभारंभ धूमधाम से हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ भाजपा नेता व संभावित विधानसभा प्रत्याशी अवनीश अग्रवाल ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के उपरांत अवनीश अग्रवाल ने श्रीराम जी के चित्र के समक्ष नतमस्तक होकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि व शांति की कामना की। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, "रामलीला जैसे धार्मिक आयोजन हमारी सनातन संस्कृति और संस्कारों को जीवंत रखते हैं। भगवान श्रीराम का आदर्श जीवन हमें सत्य, धर्म और मर्यादा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।" इस अवसर पर उनके सहयोगी रणवीर सिंह निराला, धर्मेंद्र कश्यप सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिक और भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजकों ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। पूरा क्षेत्र 'जय श्रीराम' के जयकारों

मिशन शक्ति फेज-6 के तहत रैना स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर चलाया जागरूकता अभियान

आशाओं व अन्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति किया जागरूक

अगौता/बुलंदशहर (सब का सपना):- मिशन शक्ति फेज-6 के अंतर्गत थाना अगौता की मिशन शक्ति टीम ने बुधवार को गांव अकबरपुर रैना स्थित सरकारी अस्पताल में महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। एंटी रोमियो टीम और बीट भ्रमण के दौरान आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र की आशाओं और मौजूद महिलाओं को महिला सुरक्षा, सरकारी योजनाओं तथा साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को आपातकालीन परिस्थितियों में सहायता प्राप्त करने के लिए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। इनमें वूमेन पावर हेल्पलाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस



आपातकालीन सेवा 112, एंबुलेंस सेवा 108, गर्भवती महिलाओं एवं शिशुओं के लिए 102, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और साइबर अपराध की शिकायत के लिए 1930 प्रमुख रहे। महिला हेल्प डेस्क और एंटी रोमियो स्क्वाड की भूमिका बताई,मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं को महिला हेल्प डेस्क, महिला बीट पुलिस अधिकारियों, एंटी रोमियो स्क्वाड और महिला साइबर सेल की भूमिका एवं उपलब्ध सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। टीम ने महिलाओं को किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर बिना झिझक पुलिस से संपर्क करने तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। सरकारी योजनाओं और साइबर सुरक्षा पर दिया जोर कार्यक्रम में शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना तथा रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने, अनजान लिंक पर क्लिक न करने और किसी के साथ ओटीपी या बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करने के प्रति जागरूक किया गया। मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक रहने का संदेश देते हुए सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने तथा किसी भी आपात स्थिति में संबंधित हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करने की अपील की।

अवैध कीटनाशक की बिक्री पर होगी कठोर कार्रवाई, कृषि विभाग ने जारी की प्रेस विज्ञप्ति

फतेहपुर (सब का सपना):- कृषि निदेशालय, उत्तर प्रदेश (कृषि रक्षा अनुभाग), कृषि भवन लखनऊ के पत्रांक-1211/कृरआ/2026-27, दिनांक 12 अक्टूबर 2026 के द्वारा ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर अयुक्त / गैरपंजीकृत एवं अवैध रूप से आयातित कीटनाशक साइक्लोसिनोन हबीर्साइड) की अवैध बिक्री के संबंध में कीटनाशी अधिनियम 1968 तथा कीटनाशी नियमावली 1971 के प्रावधानों के अंतर्गत कार्यवाही किए जाने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। उपरोक्त के क्रम में जनपद के समस्त कीटनाशक विक्रेताओं को निर्देशित किया जाता है कि ई-कॉमर्स



प्लेटफार्मों पर अयुक्त / गैरपंजीकृत एवं अवैध रूप से आयातित कीटनाशक साइक्लोसिनोन हबीर्साइड अपने स्टोर से तुरंत हटा दें तथा इसका क्रय-विक्रय किसी भी परिस्थिति में न करें। यदि निरीक्षण के समय किसी भी कीटनाशक विक्रेता के प्रतिष्ठान पर उक्त रसायन उपलब्ध पाया गया तो संबंधित विक्रेता के विरुद्ध कीटनाशी अधिनियम 1968 तथा कीटनाशी नियमावली 1971 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के प्रावधानों के अंतर्गत कठोर कार्यवाही की जाएगी। उपरोक्त के क्रम में जनपद के कृषक भाइयों को परामर्श दिया जाता है कि साइक्लोसिनोन हबीर्साइड चयनात्मक अंकुरण पूर्व खरपतवार नाशी है, जिसके अनियंत्रित प्रयोग से न केवल मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है बल्कि मृदा की उर्वरता को भी भारी नुकसान पहुंचता है। अतः इस रसायन का प्रयोग न किया जाए।

खेत में मेड़ की मिट्टी विवाद हत्या मामले मे पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

अगौता/बुलंदशहर (सब का सपना):- बीते सोमवार की शाम थाना अगौता क्षेत्र के गांव ढकोली में खेत की मेड़ की मिट्टी को लेकर हुए विवाद में एक युवक की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। स्वाट टीम और थाना अगौता पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए घटना में वांछित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, गांव ढकोली निवासी इसराइल पुत्र अनवार ने बीते सोमवार की रात को थाना अगौता में तहरीर देकर बताया कि उसके पिता अनवार खेत पर काम कर रहे थे। इसी दौरान गांव के रफीक पुत्र उस्मान, मुस्तलीन पुत्र रफीक और मोहसिन पुत्र रफीक वहां पहुंचे। आरोप है कि इसी बीच दोनों पक्षों के



बीच खेत की मेड़ की मिट्टी निकालने को लेकर विवाद हो गया। इसी दौरान आरोपियों ने फावड़े से अनवार पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले में थाना अगौता पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास तेज कर दिए। इसी क्रम में मंगलवार की शाम स्वाट टीम और थाना अगौता पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीनों नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक फावड़ा बरामद किया है पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों में रफीक पुत्र उस्मान, मुर्सलीन पुत्र रफीक और मोहसिन पुत्र रफीक शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी एक-एक मुकदमा दर्ज है। अभियुक्तों की गिरफ्तारी स्वाट टीम प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद असलम की टीम हैड कांस्टेबल कपिल नैन,मोहित कुमार, प्रदीप कुमार, निकुंज यादव ,अंकुर धामा व अगौता थाना प्रभारी संजेश कुमार की टीम वरिष्ठ उपनिरीक्षक अनोखेलाल गंगवार,उपनिरीक्षक योगेश राजौरिया, हैड कांस्टेबल प्रदीप चौधरी, शरणवीर सिंह, कांस्टेबल मनोज यादव,दीपक कुमार ने की। पुलिस द्वारा अभियुक्तों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

21वीं दुर्गा पूजा में हुआ जवाबी मुकाबले का आयोजन

देश की शान पर आँच आ जाए तो पीठ अपनी दिखाना नहीं चाहिए - शंभू





अमौली/फतेहपुर (सब का सपना):- कस्बे के गायत्री मंदिर के बगल में स्थित दुर्गा पूजा प्रांगण में चल रहे 21वें दुर्गा पूजा महोत्सव में बीती रात्रि विशाल जवाबी कीर्तन मुकाबले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला विकास अधिकारी फतेहपुर साधना दीक्षित ने आचार्य अविनाश मिश्रा की उपस्थिति में माँ भगवती के दरबार में पूजन-अर्चन कर किया। उन्होंने उपस्थित समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि नवदुर्गा नौ देवियों का सामूहिक नाम है। यह कार्यक्रम क्षेत्र के लोगों के लिए माँ का आशीर्वाद है। उन्होंने आयोजकों समेत कार्यक्रम के समस्त सहयोगियों की भी सराहना की। टॉस जीतकर पहले चक्र में बाराबंकी की ज्योति कमल ने वंदना की, चरण है कमल से कर कमल मुख कमल है, आरती की थाली में ज्योति कमल है उन्होंने सती चरित्र का विस्तृत वर्णन किया। वहीं राजा दशरथ के चरित्र पर प्रकाश डालते हुए गाया दो राज दुलारे दो, दो नैनो के प्यारे दो वहीं मनोरंजन की दृष्टि से सुनाया तुम हुस्न नहीं बस हुस्न का जरिया हो सुनकर प्रांगण तालियों से गूँज उठा। वहीं शंभू हलचल ने अपने पलटवार में जवाब देते हुए श्रवण कुमार तथा राजा दशरथ की कहानी गाई कि मैं भी एक इंसान हूँ क्या मेरे पास दिल नहीं, वार निहत्थे पर मैं कर दूँ इतना भी बुजदिल नहीं वहीं गायिका की पलट का जवाब साहित्य से देते हुए शंभू हलचल ने गीत गाया कि रानी के हुई ना पावा राजा के लल्ला हुईंगे और बहना ने राखी रख दी खत में बड़े गुरूर से, और बहू ने वंदे मातरम लिखा है सिंदूर से, देश का है संदेश लाडले भूल नहीं जाना, अबकी बार दुश्मन के घर पर झंडा फहराना, शत्रु को मार कर आना, युद्ध मत हार कर आना गाकर जमकर तालियाँ बटोरीं। शानदार जवाबी गीत सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। दोनों ही कलाकार बराबर रहे, तो दोनों को ही समिति के संरक्षक सुरेंद्र तिवारी, बी.डी. सिंह, दयाशंकर त्रिवेदी, अरुण कुमार मिश्रा द्वारा ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संचालक एवं संस्था के महामंत्री उमेश त्रिवेदी ने अतिथियों समेत सभी का आभार जताया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुकेश ओमर, रवि ओमर, अखिलेश ओमर, रीसू ओमर, राजाराम ओमर, आर्य कुमार पांडेय, दीपक ओमर, रजत प्रताप सिंह, अभिषेक राठौर, रिभू मिश्रा, पारस ओमर, पवन सोनकर, सौम्य ओमर, यश ओमर, विजय प्रताप सिंह, भानू मिश्रा, शुभा मिश्रा, आरती त्रिवेदी, आद्या त्रिवेदी, वंदना तिवारी, दीपांशु आर्य, दीप्ति आर्य, शिवानी सैनी, तनु साहू, किरण साहू सहित समस्त पदाधिकारीगण एवं चौकी इंचार्ज अमौली अविनाश कुमार मिश्रा पुलिस बल के साथ व्यवस्था संभाले रहे।

25 अक्टूबर को असोथर में होगी किसान महापंचायत, अनिल तालान करेंगे शिरकत

धान की फसल बर्बाद होने और मुआवजा न मिलने का मुद्दा उठाएगी भाकियू महात्मा टिकैत

फतेहपुर (सब का सपना):- जिले के असोथर नगर में 25 अक्टूबर को भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकैत की ओर से विशाल किसान महापंचायत आयोजित की जाएगी। इसमें संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल तालान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे महापंचायत की तैयारियों को लेकर बुधवार को नहर कॉलोनी में जिलाध्यक्ष मधुसूदन तिवारी और युवा जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह के नेतृत्व में पदाधिकारियों व कार्यकताओं की बैठक हुई इसमें राष्ट्रीय महामंत्री रामदत्त मिश्रा ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की। बैठक में राष्ट्रीय, प्रदेश और स्थानीय स्तर पर किसानों से जुड़ी समस्याओं को महापंचायत में प्रमुखता से उठाने



का निर्णय लिया गया वक्ताओं ने गाजीपुर क्षेत्र में हजारों बीघा धान की फसल बर्बाद होने का मुद्दा उठाते हुए जिला प्रशासन पर किसानों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया उनका कहना था कि फसल नुकसान के बाद भी किसानों को अब तक ठोस राहत नहीं मिली है केवल सूची तैयार किए जाने की बात कही जा रही है।वक्ताओं ने मुआवजे की राशि को लेकर भी चिंता जताई कहा कि फसल बर्बाद होने से किसानों के सामने अगली फसल की बुवाई और परिवार के भरण-पोषण का संकट खड़ा हो गया है। किसानों की समस्याओं को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री तक पहुंचाने की बात कही गई। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेश सिंह (पप्पू सिंह), जिला संरक्षक राजू सिंह, जिला संगठन मंत्री मोहन सिंह, सदर तहसील अध्यक्ष विजय सिंह जरौली, खागा तहसील अध्यक्ष विजय सिंह चौहान, महिला प्रकोष्ठ की उपाध्यक्ष फौजिया बानो, असोथर ब्लॉक अध्यक्ष शिवप्रकाश तिवारी, विजयशंकर अवस्थी, अमित तिवारी, शिवानंद पांडेय, आशीष त्रिपाठी, हरिसुमरन सिंह, दिनेश प्रजापति और विवेक शुक्ला सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

अमौली में विजय कुमार एंड संस व तन्नू गारमेंट्स के नए प्रतिष्ठान का भव्य उद्घाटन

अमौली/फतेहपुर (सब का सपना):- कस्बा अमौली में व्यापारिक गतिविधियों को नया आयाम देते हुए विजय कुमार एंड संस के दो नए प्रतिष्ठानों का भव्य उद्घाटन किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रो. सतीश (गुड्डू) द्वारा संचालित पहला प्रतिष्ठान तन्नू गारमेंट्स - A Fixed Price Shop के नाम से शुरू किया गया है। यह एक कम्पलीट फैमिली शोरूम है, जहाँ जेंट्स वियर, लेडीज वियर और



किड्स वियर के साथ-साथ कैजुअल वियर, पार्टी वियर और डेली वियर की सभी रेंज उचित फिक्स रेट पर उपलब्ध रहेगी। इसी के साथ दूसरा प्रतिष्ठान विजय कुमार एंड संस - जीन वाले के नाम से प्रारंभ हुआ है। यहाँ जीन, तिरपाल, बारदाना, पन्नी, दोना-पत्तल, रबर एवं प्लास्टिक का सभी सामान थोक एवं फुटकर उचित रेट में उपलब्ध है। प्रो. सतीश ने बताया कि उद्घाटन के अवसर पर विशेष छूट दी जा रही है और ग्राहकों को बेहतर क्वालिटी व भरोसेमंद सेवा देना उनका उद्देश्य है।

द्वारिकेश शुगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा आयोजित किसान गोष्ठी में वैज्ञानिकों ने दी उन्नत गन्ना खेती की दी जानकारी





अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के धामपुर मार्ग स्थित फ्रेंड्स पैलेस में बुधवार को द्वारिकेश शुगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड की बहादरपुर इकाई की ओर से वृहद किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। चेयरमैन मलकीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित गोष्ठी में चीनी मिल क्षेत्र के करीब 500 किसानों ने भाग लिया। कृषि वैज्ञानिकों और गन्ना विभाग के अधिकारियों ने किसानों को उन्नत गन्ना प्रजातियों, वैज्ञानिक खेती, रोग नियंत्रण और आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र नगीना के वैज्ञानिक डा. केके सिंह ने शरदकालीन गन्ना बुवाई में उन्नत प्रजातियों को ट्रेंच विधि से बोने और साथ में उपयुक्त सहफसल उगाने की सलाह दी। उन्होंने रेड रॉट रोग से प्रभावित को.0238 प्रजाति को पूरी तरह बदलकर रोगमुक्त एवं उन्नत प्रजातियां अपनाने पर जोर दिया। साथ ही पेड़ी प्रबंधन और वैज्ञानिक तरीके से गन्ना उत्पादन करने की जानकारी दी। डा. पिंटू कुमार ने फसल को कीटों और बीमारियों से बचाने तथा ट्राइकोडर्मा कल्चर के प्रयोग की जानकारी दी। डा. शिवांगी ने मिट्टी के नमूने लेने, मृदा परीक्षण और उर्वरता प्रबंधन के बारे में बताया। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक विश्वामित्र पाठक ने पंचामृत खेती, सहफसली खेती, ड्रिप सिंचाई और ट्रैश मल्चिंग के फायदे गिनाए। गन्ना समिति अफजलगढ़ के सचिव राजेश सिंह ने फार्म मशीनरी बैंक में उपलब्ध कृषि यंत्रों और अनुदान की जानकारी दी। जिला गन्ना अधिकारी बृजेश कुमार पटेल ने किसानों को चार फीट की दूरी पर ट्रेंच विधि से गन्ना बुवाई करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि आगामी पेराई सत्र में चीनी मिल में स्वचालित गन्ना कटाई संयंत्र आने की संभावना है, जो चार फीट की दूरी पर बोए गए गन्ने की कटाई कर सकेगा। चीनी मिल के मुख्य महाप्रबंधक (गन्ना) उमेश कुमार सिंह बिसेन ने किसानों को नवीन गन्ना प्रजातियों के बीज, बीज एवं भूमि उपचार रसायनों, कीटनाशकों और सिंगल बड नर्सरी सहित विभिन्न कृषि यंत्रों पर मिलने वाले अनुदान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मिल परिसर में स्थित बीज उपचार संयंत्र से किसानों को निश्शुल्क बीज उपचार की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। इकाई के वरिष्ठ अधिशासी उपाध्यक्ष (कॉरपोरेट) सलिल एस. आर्य ने किसानों से रोगमुक्त, जड़-पत्ती रहित, साफ-सुथरा और ताजा गन्ना मिल में आपूर्ति करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गन्ने की फसल से संबंधित समस्याओं और नई प्रजातियों की जानकारी के लिए किसान मिल के गन्ना विभाग से सीधे संपर्क कर सकते हैं। गोष्ठी में विशिष्ट अतिथि सहकारी गन्ना विकास समिति धामपुर के चेयरमैन रामवीर सिंह उर्फ मोहन सिंह और अफजलगढ़ समिति के चेयरमैन मलकीत सिंह ने किसानों से वैज्ञानिक पद्धति अपनाकर गन्ना उत्पादन बढ़ाने की अपील की। अंत में अतिथियों ने किसानों का आभार जताया। इस अवसर पर डायरेक्टर दारा सिंह, सतनाम सिंह, राहुल यादव, चंद्रप्रकाश, वीरेंद्र सिंह, संजीव कुमार, पूर्व प्रधान नत्थू सिंह, जसवंत सिंह, किसान नेता देवेंद्र कौशिक, महल सिंह, यूसुफ कुरैशी, कुंदन सिंह सहित मिल और गन्ना विभाग के अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

सीएम भगवंत मान ने 154 नए 'आम आदमी क्लीनिक' जनता को किए समर्पित

चंडीगढ़। पंजाब में स्वास्थ्य सेवाओं को हर नागरिक की पहुंच में लाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। प्रदेश में स्वास्थ्य क्रांति को नई रफ्तार देते हुए सरकार ने 154 नए 'आम आदमी क्लीनिक' जनता को समर्पित किए हैं। इन नए क्लीनिकों के शुरू होने के साथ ही पूरे पंजाब में अब आम आदमी क्लीनिकों की कुल संख्या बढ़कर 1,245 हो गई है। यह पहल राज्य सरकार की उस प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जिसके तहत वह दूर-दराज के इलाकों से लेकर शहरों तक हर तबके को मुफ्त और बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं घर के नजदीक प्रदान करने का लक्ष्य लेकर चल रही है।6.5 करोड़ से अधिक बार मरीजों ने उठाया लाभ सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, पंजाब की जनता के बीच यह योजना बेहद सफल साबित हो रही है। अब तक राज्य भर में इन क्लीनिकों के माध्यम से 6.5 करोड़ से अधिक बार मरीज स्वास्थ्य सेवाओं का



लाभ उठा चुके हैं। इन क्लीनिकों में मरीजों को न केवल उच्च स्तर का चिकित्सीय परामर्श मिलता है, बल्कि कई दर्जन जरूरी दवाइयां और क्लिनिकल जांच (टेस्ट) भी पूरी तरह से मुफ्त उपलब्ध कराई जाती हैं।स्वास्थ्य ढांचे में बड़ा बदलाव इस अवसर पर जोर देते हुए बताया गया कि पंजाब में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। आम आदमी क्लीनिक के जरिए मरीजों को उनके मोहल्ले और गांव में ही प्राथमिक इलाज मिल रहा है, जिससे न सिर्फ आम लोगों का पैसा बच रहा है, बल्कि बड़े सरकारी अस्पतालों की ओपीडी में मरीजों की भीड़ और दबाव भी काफी कम हुआ है। पंजाब सरकार का यह कदम राज्य के बुनियादी स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने और आम नागरिकों को महंगी मेडिकल फीस व बीमारियों के खर्च से बड़ी राहत देने वाला माना जा रहा है।

संपूर्ण आहार है दलिया, डायबिटीज को करता है नियंत्रित

गेहूं को रिफाइंड करके तैयार किए जाने वाले खाद्य पदार्थों में दलिया भी शामिल है, जो खाने में स्वादिष्ट होने के साथ स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। विभिन्न पोषक तत्वों से भरपूर दलिया अपने आप में संपूर्ण आहार है। आहार-विशेषज्ञ ओट्स को सुपरफूड की श्रेणी में रखते हैं और इसके नियमित सेवन की सलाह देते हैं।



डायबिटीज को करे नियंत्रित

दलिया में मौजूद फाइबर, कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट और मैग्नीशियम से डायबिटीज टाइप-2 के मरीजों में ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मदद मिलती है। ये तत्व ऐसे एंजाइम बनाते हैं, जिनकी वजह से भोजन धीरे-धीरे पचता है। इससे ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। यह रक्त में ग्लूकोज को कम मात्रा में रिलीज करता है और इंसुलिन के स्तर को नियंत्रित रखता है।

ऊर्जा का स्तर सुधारे

फैट फ्री या लो कैलरी वाला दलिया ऊर्जा का अच्छा स्रोत है। दलिया में मौजूद प्रोटीन और विटामिन पूरे दिन आपको ऊर्जावान बनाए रखने में मदद करते हैं। इसलिए आहार विशेषज्ञ नाश्ते में एक कटोरी दलिया के सेवन को सेहत के लिहाज से फायदेमंद मानते हैं।

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए

दलिया में मौजूद फाइबर आसानी से अवशोषित हो जाता है, जो व्हाइट ब्लड सेल्स को मजबूत बनाता है। इससे प्रतिरोधक क्षमता मजबूत बनती है। दलिया से मिलने वाले मैग्नीशियम, सेलिनियम और जिंक शरीर को संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं। सुपाच्य गुणों के कारण दलिये से बना आहार मरीजों को देने की सलाह दी जाती है।

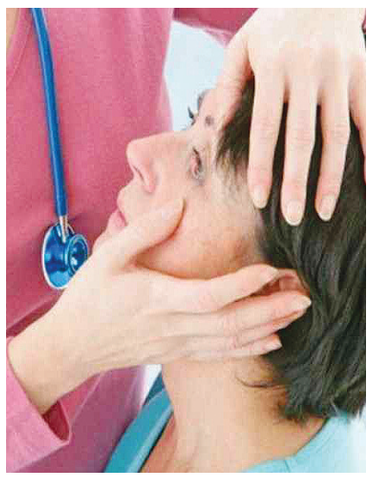
वजन को रखे नियंत्रित

वसा-रहित एवं कम कैलरी वाला होने के कारण दलिया वजन को नियंत्रित रखता है। गेहूं से बना दलिया फाइबर, कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। नियमित रूप से दलिया का सेवन करने से पेट देर तक भरे होने का एहसास कराता है।

दांतों को दे मजबूती

दलिया में कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस आदि भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो हमारी हड्डियों और दांतों के स्वास्थ्य के लिए मददगार साबित होते हैं। इसके नियमित सेवन से भरपूर पोषण मिलता है। बढ़ती उम्र में हड्डियों की कमजोरी और जोड़ों में दर्द होने की आशंका बढ़ जाती है, जिसे नियंत्रित रखने के लिए दलिये का सेवन कर सकते हैं।

एनीमिया से बचाए



इसमें मौजूद प्रोटीन, आयरन, मैग्नीशियम शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर को बनाए रखते हैं। इससे शरीर में खून की कमी यानी एनीमिया की आशंका नहीं रहती।

त्वचा को बनाए खूबसूरत

दलिया में मौजूद विटामिन बी मेटाबॉलिज्म को ठीक रखने में मदद करता है। यह त्वचा और बालों को स्वस्थ बनाता है। इसे दूध में मिलाकर त्वचा पर स्क्रब करने से रूखी या बेजान त्वचा में चमक आ जाती है। इसका फेसपैक लगाने से त्वचा मुलायम और खूबसूरत होती है।

सेवन में बरतें सावधानी

इसे 5 से 70 साल तक, हर उम्र के लोगों के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होने के कारण यह आसानी से पच जाता है। एक स्वस्थ व्यक्ति दिन में एक कटोरी दलिया खा सकता है। बेहतर होगा कि नमकीन दलिया बनाते समय एक मुट्ठी मूंग धुली हुई दाल और एक कटोरी पसंदीदा मिक्स सब्जियां डालकर पकाएं। इससे प्रोटीन और विटामिन प्रचुर मात्रा में मिलेंगे। नमकीन दलिया के साथ दही का सेवन ज्यादा फायदेमंद है। मीठे दलिया में दूध, ड्राई फ्रूट्स और पसंदीदा फल मिलाकर खाने से इसकी पौष्टिकता बढ़ जाती है।

बॉडी बिल्डिंग में सहायक

दूध मिलाकर बनाया गया मीठा दलिया प्रोटीन से भरपूर होता है, जो बॉडी बिल्डिंग के शौकीनों के लिए फायदेमंद होता है। प्रोटीन शरीर के विकास और मसल्स के निर्माण के अलावा शरीर को मजबूती प्रदान करने में मदद करता है।



रेसिपी

ऑलिव सैलेड



सामग्री

- काले एवं हरे ऑलिव्स: 200 ग्राम
- 2 नींबू के छिलके
- 2 पतली स्लाइसेज में कटे नींबू
- 2 तेज पत्ता
- ऑलिव ऑयल: 1 कप
- सौंफ: 1.5 टीस्पून
- काली मिर्च पाउडर या ऑरेगेनो: 1 टेबलस्पून
- नमक
- कुछ पुदीना

विधि

ऑलिव्स को अच्छी तरह धोकर साफ करें। किसी कपड़े पर फैला दें और पानी सूखने दें। सॉसपैन में सौंफ डालकर तीन मिनट तक भूनें। अब इसमें नींबू के छिलके एवं स्लाइसेज में कटा नींबू डालें। अब तेज पत्ता तोड़कर डालें। इसमें अब ऑलिव्स डालकर चलाएं। ऑलिव ऑयल और ऑरेगेनो डालें। इसे तीन मिनट तक धीमी आंच पर पकने दें। ऊपर से नमक डालकर दोबारा मिलाएं। ऑलिव सैलेड को बोल में निकालें। ध्यान रखें, इसे हलका गर्म ही सर्व करें।

पनीर टिक्का



सामग्री

■ पनीर: 750 ग्राम ■ पालक का पेस्ट: 1 कप ■ हंग कर्ड: 1 कप ■ जीरा पाउडर: 1 टीस्पून ■ काजू का पेस्ट: 1 टीस्पून ■ भुना बेसन: 3 टेबलस्पून ■ हरी मिर्च का पेस्ट: 1 टीस्पून ■ अदरक-लहुसुन का पेस्ट: 3 टीस्पून ■ ऑयल: 2 टेबलस्पून ■ 1 नींबू का रस ■ गरम मसाला: 1 टीस्पून ■ नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

मैरिनेशन के लिए एक बोल में हंग कर्ड, गरम मसाला, अदरक-लहसुन का पेस्ट और काजू का पेस्ट डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब इसमें पालक का पेस्ट डालें। पनीर को मोटे स्लाइसेज में काटें और इस मिक्सचर में अच्छी तरह लपेटें। इसे आधे घंटे के लिए मैरिनेट होने दें। अब इसे ग्रिल पैन में दोनों ओर से सुनहरा होने तक सेंक लें। प्लेट में पनीर टिक्का को निकालें और ऊपर से नींबू का रस डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

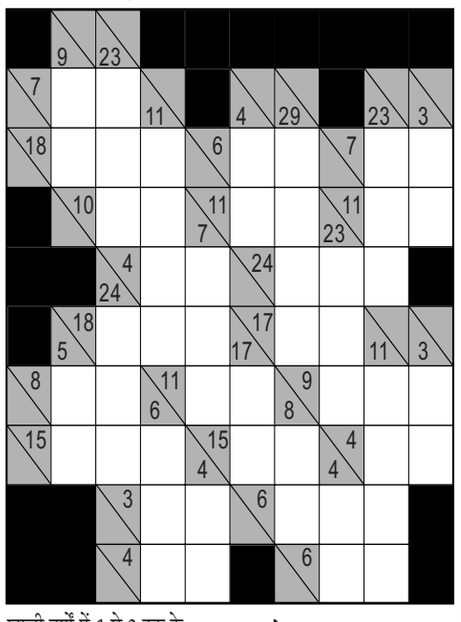
कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

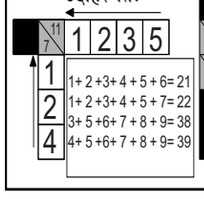
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

काकुरो पहेली - 4039

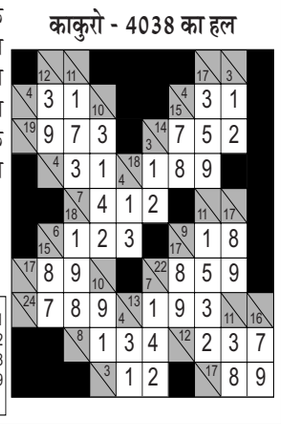


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 4038 का हल



लॉफिंग ज़ोन

एक ऐसी युवती थी, जिसका कभी किसी से कोई रोमांस नहीं हुआ था। एक दिन उसने रोमांटिक ख्वाब देखा– जब वह गार्डन में घूम रही थी, तभी एक सुंदर युवक ने साड़ी के पीछे छुपकर उससे लिपट गया। वह भागी लेकिन एक घने पेड़ की मधुर छाया में तरुण ने उसे पकड़ लिया।

तुम-तुम क्या करने जा रहे हो? वह हकबकाई।

शैतानी से मुस्कराकर युवक बोला– तुम बताओ। यह तुम्हारा सपना है।

□ □ □

अखबार पढ़ते प्रेमी को प्रेमिका ने पीछे से जोरदार घूँसा मारा। इस पर प्रेमी ने कहा –क्या हुआ, प्रिया?

प्रेमिका– तुम्हारी शर्ट की जेब में एक कागज मिला था जिस पर मेरी (लड़की का नाम) लिखा हुआ था।

प्रेमी– अरे नहीं प्रिये, तुम्हें याद है पिछले सप्ताह मैं ट्रेकिंग पर गया था। मैंने घोड़े की सवारी की थी। मेरी उसी घोड़े का नाम है।

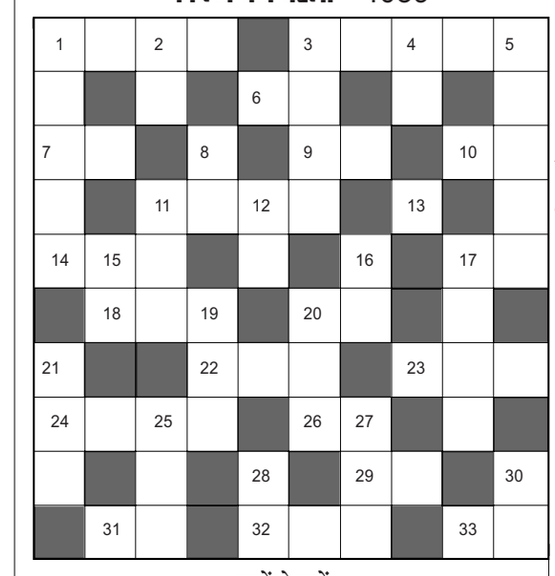
अगले दिन प्रेमिका ने फिर जोरदार घूँसा मारा।

प्रेमी– अब क्या हुआ प्रिये?

प्रेमिका – तुम्हारे घोड़े का फोन आया था।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 4039



बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अक्षय, करिश्मा की 'दिल लगाने की' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'आते आते तेरी' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-२,१,२
६. दिलीपकुमार, निम्मी की 'आग लगी तन-मन में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'धक धक करने लगा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-२
९. 'कमसिन कली हूँ' गीतवाली फिल्म-२
१०. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की रामगोपाल वर्मा निर्देशित फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, शबाना की 'दिन महीने साल' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'उगंली में अंगूठी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
१४. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'दोस्तों तुम सबको' गीतवाली अनिल, जैकी, टीना, हेमा की फिल्म-२
१८. नायक सुनीलदत्त वाली फिल्म 'मिलन' की नायिका कौन थी-३
२०. 'सनी' में अमुता सिंह का नायक-२
२२. अशोक, मधुबाला की 'मुश्किल है बहुत मुश्किल' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-३
२४. सुनील शेट्टी, रवीना टंडन की 'बप्पा मोरिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. 'ऐ दिल कहाँ तेरी मंजिल' गीतवाली देव आनंद, माला की फिल्म-२
२९. दीनो मोरिया, बिपाशा बसु की 'तुम अगर सामने' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिरोज खान, संजय, मुमताज की फिल्म-२
३२. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की 'तेरी उम्मीद तेरा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'मेरा कँगना झाँझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, रेखा की 'मैं ने कह दी तूने सुन ली' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'दिलबर दिलबर' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
३. 'सच कहते हैं हम' गीत वाली अक्षय कुमार, करिश्मा की फिल्म-४
४. 'तेरा जादू चल गया' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-२
५. 'सुन सजना तेरे' गीत वाली मिथुन, जयाप्रदा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-५
८. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'कालीचरण' में 'लॉयन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हुआ-३
१२. 'इस टूट दिल की पीर' गीतवाली फिल्म-२
१५. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
१६. फिल्म 'प्यार दिवाना होता है' में गोविंदा के साथ नायिका -२
१७. मिथुन, संगीता बिजलानी की 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२०. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
२१. १९४२ ए लव स्टोरी' के गीत 'क्यों नये लग रहे हैं' की गायिका कौन?-३
२५. फिल्म 'अमर प्रेम' में नायिका कौन थी-३
२७. 'छू कर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
२८. धर्मेन्द्र, सायरा 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
३०. संजय खान, डैनी, जीनत की 'उलझन सुलझे ना' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 4038

बं	दि	नी		पु		गैं	ब	ल	र
ध		ल	ल	का	र		हा		वी
न	सी	म		र		प	र	वा	ना
	मा		श		सु	र		सु	
आ		आ	शि	क		दे	वी		ह
ह	मे	शा		ह	व	स		स	त्या
	ला		आ	र	जू		खे	ल	
बे		ला	वा		द	स		मा	या
खु			रा	जू		फ	र्ज		श
दी	वा	ने		ली	ड	र		टी	ना

सूडोकु -4039

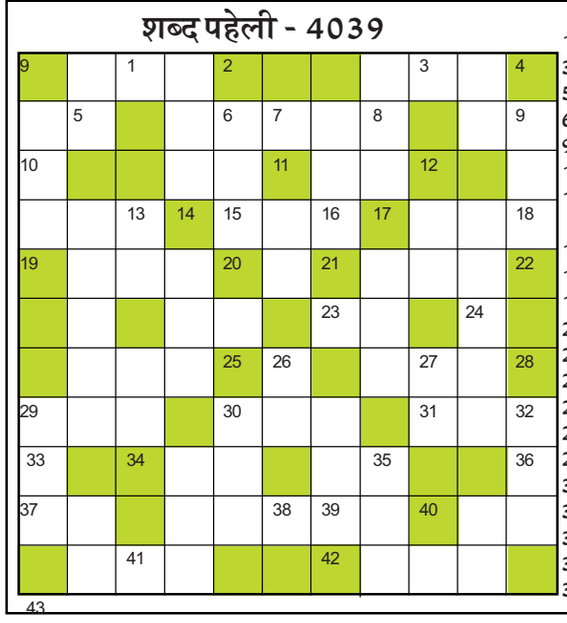
	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4038 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

शब्द पहेली - 4039



बाएँ से दाएँ

1. ईश्वर,करतार-3
3. मुस्कुराहट-3
5. ईख-2
6. रजनीगंधा -2,1,2
9. समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11. ताकत,दम-2
12. अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13. वेतन,पगार-3
16. मनोनीत,नामकृत-3
18. बंधक,गिरवी वस्तु-3
20. निशा,रात्री-3
22. वचन,प्रतिज्ञा-3
23. श्रीनगर की झील-2
24. मूल्य,कीमत-2
25. असावधान-3
28. धिक्कार,फटकार-3
30. हवा,पवन-3
31. झाझर,कुंभ-3
33. चिंतन-3
35. संस्कृत में मेरा-2
36. मादा का विलोम-2
38. कुबेर,भूत-2
40. परोपकारी,जितेंद्र की एक फिल्म-5
41. फलों का राजा-2
42. फूल चुननेवाली-3
43. घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे

1. तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2. बेकार-3
3. दीवान,खजांची-3
4. पैगंबर,रसूल-2
5. झूठ,मिथ्या -3
7. तेल में पकाना-3
8. आराम,मदद-3
10. गुलिस्ता-3
14. नरकभोगी-5
15. खुजली-2
17. सखा,दोस्त-2
18. मजा,आनंद-2
19. स्वदेशवासी-5
21. सुई (अंग्रेजी-3)
22. विष्णुप्रिया-3
26. पुनः,वापस-2
27. मर्करी,पारद-2
29. भीगा हुआ-2
30. वक्त,टाईम-3
31. अच्छी बुद्धि-3
32. निम्नता-3
34. मुलायम-3
35. बड़ा,विशाल-3
37. धनवान-3
39. माफी-2
41. उम्मीद-2

शब्द पहेली -4038 का हल

का		बु	आ		द		स	ख्त		मु	
र	क्त		कु	क	र	मु	त्ता		जा	ला	
तू		म	ल		मि		धी	र		य	
स	क्रि	य	ता		या		श	ब	न	म	
	या				न				या		ता
रा	शी	क	र	ण		भा	र	ही	न		ता
	ल				टी				बे		
री	ता	प	न		ना		न	ह	ला	ना	
ई		स	जा		मु		का	म		का	
ब	लि		क	हा	नी	का	र		छ	वि	
सं		गी	त		म		ना	नी		ल	



मणि रत्नम के साथ काम करना जिंदगी बदलने वाला अनुभव

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी के लिए कला का मतलब सिर्फ अभिनय या फैशन तक सीमित नहीं है। उनके लिए यह खुद को पहचानने, अपनी सहज प्रवृत्ति पर भरोसा करने और हर नए अनुभव से कुछ सीखने का सफर है। बचपन के सपनों से लेकर अपने करियर को नई दिशा देने वाले फिल्मकारों तक, अदिति ने हमेशा अपने भीतर की जिज्ञासा को जिंदा रखने की कोशिश की है।

फेमिना के सितंबर-अक्टूबर 2026 अंक की कवर स्टोरी में अदिति ने सिनेमा, फैशन, अपनी कलात्मक पहचान और निजी भावनाओं को पर्दे पर उतारने के अनुभवों पर खुलकर बात की है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके जीवन में परिवार की सीख और फिल्मकार मणि रत्नम के साथ काम करने के अनुभव ने कितनी अहम भूमिका निभाई है।

अदिति की कलात्मक सोच को आकार देने में उनके परिवार और बचपन के माहौल का बड़ा योगदान रहा है। वह बताती हैं कि उनकी मां की एक सीख आज भी उनके साथ है। अदिति के मुताबिक, उनकी मां ने उनसे कहा था, 'अगर आप सच में एक कलाकार हैं, तो कोई आपको कमतर नहीं आंक सकता। जिंदगी में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, लेकिन सृजन करने की क्षमता आपके भीतर होती है। यही आपका सबसे बड़ा उपहार है, इरादे और प्रेम के साथ लगातार कुछ नया रचते रहना।' अदिति के लिए यह विचार उनके काम का मूल आधार है। वह अपने करियर को सिर्फ उपलब्धियों के तराजू पर नहीं तौलतीं, बल्कि इस बात को भी अहम मानती हैं कि वह अपने काम के जरिए क्या नया सीख रही हैं और किस तरह अपनी रचनात्मकता को आगे बढ़ा रही हैं।

अतीत से ज्यादा भविष्य को लेकर उत्सुक हैं अदिति

अपने करियर में कई यादगार भूमिकाएं और महत्वपूर्ण सहयोग करने के बावजूद अदिति पीछे मुड़कर देखने के बजाय वर्तमान में जीना पसंद करती हैं। वह कहती हैं, 'मैं शायद ही कभी पीछे मुड़कर देखती हूं। मैं वर्तमान में जीना चाहती हूं, उससे सीखना और उसका जश्न मनाना चाहती हूं। मैं भविष्य को लेकर उत्सुक हूं।' उनकी यह सोच बताती है कि वह पुरानी सफलताओं में उलझे रहने के बजाय नए अनुभवों और संभावनाओं के लिए खुद को खुला रखना चाहती हैं।

अदिति के दिल में फिल्मकार मणि रत्नम की फिल्मों के लिए खास जगह रही है। वह उनकी फिल्में देखकर इतनी प्रभावित हुई थीं कि बचपन में उन्हीं की फिल्मों की नायिका बनने का सपना देखने लगी थीं। जब उन्हें उनके साथ काम करने का अवसर मिला, तो यह अनुभव उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा था। अदिति कहती हैं, 'मणि रत्नम के साथ काम करने ने मेरी जिंदगी को हर तरह से बदल दिया। इससे मुझे अपने सपनों पर विश्वास हुआ। मुझे महसूस हुआ कि मुझे समझा और पहचाना जा रहा है। इस अनुभव ने मुझे अपने भीतर के उस जिज्ञासु पांच साल के बच्चे को सहजता से स्वीकार करने का साहस दिया।' उनकी बातों से साफ है कि इस सहयोग ने सिर्फ उनके पेशेवर सफर को ही नहीं, बल्कि खुद को देखने और समझने के नजरिए को भी प्रभावित किया।



कैमरे के सामने अपनी निजी भावनाएं खोलना आसान नहीं

अभिनय की दुनिया में कलाकारों को कई बार ऐसी भावनाएं पर्दे पर दिखानी पड़ती हैं, जिन्हें वे अपनी निजी जिंदगी में दूसरों से साझा नहीं करते। अदिति भी इस अनुभव को दिलचस्प और संवेदनशील मानती हैं। वह कहती हैं, 'मुझे यह बात दिलचस्प लगती है कि फिल्म की शूटिंग के दौरान हम अपने दिल और दिमाग के बेहद संवेदनशील हिस्सों को सामने लाते हैं और फिर उन्हें पूरी दुनिया के साथ साझा कर देते हैं। गुस्सा, आंसू, प्यार और ऐसी ही कई भावनाएं हम अपनी निजी जिंदगी में बहुत संभालकर रखते हैं, लेकिन कैमरे के सामने उन्हें जाहिर कर देते हैं।' अदिति के मुताबिक, अभिनय की यही प्रक्रिया कलाकार को अपनी भावनाओं के उन पहलुओं से रूबरू कराती है, जिन्हें आमतौर पर वह निजी दायरे में ही रखना पसंद करता है।





दंगल की इमेज में बंधना नहीं चाहती थी, हर किरदार नई शुरुआत जैसा है

फातिमा सना शेख हाल ही में जियोहॉटस्टार पर आई सीरीज 'हुंकार' में दिखीं। उनके मुताबिक, 'मॉडर्न लव मुंबई' से लेकर 'हुंकार' की जसलीन तक उनकी कोशिश खुद को किसी एक इमेज में सीमित न रखने की रही है। फातिमा के मुताबिक, 'दंगल' उनके करियर का अहम पड़ाव जरूर है, लेकिन वह उस फिल्म या गीता फोगाट की छवि को पकड़कर आगे नहीं बढ़ना चाहती थीं। हर नया किरदार उनके लिए एक नई शुरुआत है।

'दंगल' की गीता और 'हुंकार की जसलीन अलग हैं...

फातिमा कहती हैं... 'अगर मैं पिछले किरदार को पकड़कर चलूंगी तो मौजूदा किरदार नहीं कर पाऊंगी। एक्टर की उम्र, अनुभव और सोच बदलती रहती है। इसलिए हर नए किरदार के साथ खुद को फिर से ढालना जरूरी है। अलग-अलग किरदारों में एक जैसी सोच तलाशना एक्टिंग प्रोसेस को जेनेरिक बना सकता है। 'दंगल' की गीता और 'हुंकार' की जसलीन अलग दुनिया से आती हैं, इसलिए दोनों को एक नजर से देखना सही नहीं होगा। अगर हर किरदार को एक ही रंग में देखेंगे तो सब एक जैसे ही हो जाएंगे।'

किरदार को सिर्फ बाहर से ही जानना पर्याप्त नहीं...

फातिमा ने कहा...' हुंकार' में पुलिस अधिकारी के किरदार के लिए मैंने किसी खास पुलिस अफसर की बॉडी लैंग्वेज या व्यवहार को कॉपी नहीं किया। यहां मेरे लिए ज्यादा जरूरी था कि मैं यह समझें कि यह महिला किस तरह सोचती होगी। किसी किरदार को सिर्फ बाहर से पकड़ना मेरे लिए पर्याप्त नहीं है। उसकी थॉट प्रोसेस समझना जरूरी है। वह किसी परिस्थिति में क्यों वैसा फैसला लेती है, उसके अंदर क्या चल रहा है, लोगों को किस तरह देखती है-इन सवालों के जवाब किरदार को भीतर से बनाने में मदद करते हैं।'



गीता के लिए मैंने एक रेसलर की बॉडी लैंग्वेज समझी थी

'दंगल' के लिए मैंने रियल लाइफ रेसलर गीता फोगाट से प्रेरणा नहीं ली बल्कि दूसरे रियल लाइफ रेस्लर से प्रेरण ली थी। मैंने गीता की बॉडी लैंग्वेज हूबहू कॉपी नहीं की। सामान्य तौर पर यह समझने की कोशिश की कि एक रेसलर की बॉडी लैंग्वेज कैसी होती है, क्योंकि स्वाभाविक रूप से खिलाड़ियों में कुछ चीजें कॉमन होती हैं। उनका उठना-बैठना, शरीर का इस्तेमाल, मूवमेंट और अपने शरीर को लेकर जागरूकता, इन सबको समझना जरूरी था। मेरे लिए यह किसी की नकल करने से ज्यादा उसकी दुनिया को समझना था।

मलयालम सिनेमा के महिला किरदार आकर्षित करते हैं...

फातिमा अलग-अलग रीजनल इंडस्ट्रीज में भी काम करना चाहती हैं। वे कहती हैं... 'खासतौर पर मुझे मलयालम सिनेमा के महिला किरदार आकर्षित करते हैं, क्योंकि उनमें महिलाओं की अपनी इच्छाएं, फैसले और नजरिया दिखाई देता है। मैं किसी भाषा के लिए नहीं, बल्कि अच्छी कहानी और चुनौतीपूर्ण किरदार के लिए दूसरी इंडस्ट्री में जाना चाहती हूं। मेरे लिए 'दंगल' जर्नी का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन पूरी जर्नी नहीं। हर नया किरदार मेरे लिए फिर से नई शुरुआत है।'



अनीत पड्डा ने साझा किया साथ काम करने का अनुभव

हाल ही में बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार नाना पाटेकर का निधन हो गया। उनके निधन पर बॉलीवुड के कई सेलेब्स ने शोक जताया है। इस लिस्ट में अब 'सैयारा' फेम अभिनेत्री अनीत पड्डा का नाम जुड़ गया है। उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म 'शक्ति शालिनी' के साथी कलाकार नाना पाटेकर को याद किया है। उन्होंने एक भावुक पोस्ट लिखी और कलाकार से सीखी गई चीजों के बारे में बताया।

अनीत पड्डा ने नाना पाटेकर के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए लिखा, 'जब मैं पहली बार नाना पाटेकर सर से मिली, तो मैं मुश्किल से ही कुछ बोल पाई। मुझे लगता है कि मैं बस उस पल को महसूस कर रही थी। इतने ईमानदार, बेबाक और बिना किसी दिखावे के खुद जैसे रहने वाले व्यक्ति के सामने बैठना अपने आप में एक अनोखा अनुभव था।'



अभिनेत्री ने नाना की जिंदगी और सिनेमा को देखने के अनोखे नजरिए के बारे में भी बात की। उन्होंने लिखा 'वह ऐसे इंसान थे जिन्होंने अपनी शर्तों पर जिंदगी जी, शोहरत के शोर के बजाय सादगी को चुना और आपको याद दिलाया कि असल में कलाकार होने का क्या मतलब होता है। उन्हें बोलते हुए सुनना, काम करते हुए देखना और बस उनके आस-पास रहना, एक ऐसा सबक था जिसे मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी।'

अनीत ने आगे लिखा, 'अपने करियर की शुरुआत में ही उनसे मिलना और फिर उनके साथ काम करना, ऐसी बात है जिसके लिए मैं हमेशा शुक्रगुजार रहूंगी। उन्हें बस देखते हुए ही मैंने बहुत कुछ सीखा और पीछे मुड़कर देखती हूं तो एहसास होता है कि वे पल कितने कीमती थे। उनकी आखिरी फिल्मों में से एक मेरे साथ थी, यह सोचकर आज भी मेरे पास शब्द नहीं होते। यह सब किसी सपने जैसा लगता है।'

मां बनने के बाद अब ये ध्यान में रखकर चुनती हैं फिल्में

श्रिया सरन ने हाल ही में 'दृश्यम' के मेकर्स की तारीफ की है। एक्ट्रेस ने बताया कि नई मां होने के नाते फिल्म की टीम ने उनकी जरूरतों का खास ध्यान रखा। इसके अलावा मां बनने के बाद अब वो फिल्में क्या सोचकर चुनती हैं? इस पर भी एक्ट्रेस ने खुलासा किया है।

वे मेरे लिए बहुत सपोर्टिव थे

बातचीत में श्रिया ने बताया कि जब उन्होंने 'दृश्यम 2' की शूटिंग की थी, तब उनकी बेटी सिर्फ 8 महीने की थी। वहीं, 'दृश्यम 3' के समय उनकी बेटी थोड़ी बड़ी हो चुकी है। एक्ट्रेस ने कहा, 'जब मैंने 'दृश्यम 2' की थी, तब मेरी बेटी 8 महीने की थी। और पार्ट 3 में, जाहिर है, वह बड़ी हो गई है। लेकिन टीम बहुत सपोर्टिव थी। शूटिंग के बाद वो मुझे पहले भेज देते थे, कई बार अजय सर से भी पहले, क्योंकि वे कहते थे कि वह नई मां हैं। वे बहुत दयालु और प्यारे हैं और मैं उनकी आभारी हूं।'

ये सोचकर करती हैं फिल्में

श्रिया ने यह भी बताया कि मां बनने के बाद फिल्मों को चुनने का उनका नजरिया बदल गया है। अब वह इस बात का भी ध्यान रखती हैं कि एक दिन उनकी बेटी उन्हें पर्दे पर देखेगी। उन्होंने कहा, 'हां, मुझे इसका ध्यान रखना पड़ता है। मैं अपनी बेटी के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताना चाहती हूं और ऐसी फिल्में करना चाहती हूं, जिन पर मुझे पता हो कि एक दिन मेरी बेटी को मुझ पर गर्व होगा। मैं चाहती हूं कि वह बड़ी होकर कहे, 'मामा, वह बहुत अच्छी फिल्म थी और मुझे खुशी है कि आपने यह फिल्म की।'



'बंदिश बैंडिट्स' वाली तमन्ना शर्मा की बड़ी छलांग

'बंदिश बैंडिट्स' के दोनों सीजन में तमन्ना शर्मा के किरदार से दर्शकों का ध्यान खींचने वाली अभिनेत्री श्रेया चौधरी अब बड़े पर्दे पर एक नई शुरुआत करने जा रही हैं। खास बात यह है कि उनका यह थिएट्रिकल डेब्यू आयुष्मान खुराना के साथ होगा।

श्रेया और आयुष्मान जल्द ही फिल्म 'मुपापा' में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे, जो 19 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। 'मुपापा' में श्रेया के किरदार और कहानी को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी ज्यादातर डिटेल्स को अभी सीक्रेट रखा है। ऐसे में श्रेया और आयुष्मान की जोड़ी को किस तरह की कहानी में दिखाया जाएगा, इसे लेकर दर्शकों की दिलचस्पी बनी हुई है। अभिनेत्री को वाईआरएफ टैलेंट ने एक्सक्लूसिव मैनेजमेंट के लिए साइन किया है। इसे उनके प्रोफेशनल सफर में एक नई शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। श्रेया ने अब तक वेब सीरीज और फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी पहचान बनाई है और अब वह थिएट्रिकल फिल्मों की ओर आगे बढ़ रही हैं।

इंशाअल्लाह पर फिर शुरू हुआ काम



आलिया भट्ट और निर्देशक संजय लीला भंसाली एक बार फिर साथ काम करने की तैयारी में हैं। दोनों की पुरानी फिल्म 'इंशाअल्लाह' को नए सिरे से बनाने की योजना है। 2019 में सलमान खान के साथ इस फिल्म का ऐलान किया गया था, लेकिन बाद में प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ सका। अब भंसाली इसकी कहानी और पटकथा में बड़े बदलाव कर इसे नए अंदाज में पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। एक्ट्रेस और डायरेक्टर इससे पहले 'गंगूबाई काठियावाड़ी' में साथ काम कर चुके हैं।



स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।